mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-169 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
21 जून 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

अनाया बांगर ने ...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन का आत्मसमर्पण नहीं चाहता रूस, वह पूरा मुल्क ही हमारा है

सेंट पीटर्सबर्ग (एजेंसी)। सेंट पीटर्सबर्ग में हुए इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को बड़ा बयान दिया। पुतिन ने कहा कि रूस मौजूदा जंग में यूक्रेन से आत्मसमर्पण की मांग नहीं कर रहा है। उन्होंने कीव से जमीनी हकीकत को स्वीकार करने की बात कही। पुतिन ने कहा कि रूस और यूक्रेन के लोग एक ही हैं और इस हिसाब से पूरा यूक्रेन रूस का है। उन्होंने एक पुराने नियम का जिक्र किया, जिसके मुताबिक, जहां रूसी सैनिक का पैर पड़ता है, वो जगह हमारी हो जाती है। पुतिन ने ये बातें उन सवालों के जवाब में कहीं जिनमें पूछा गया था कि क्या रूस यूक्रेन से उसी तरह बिना शर्त

आत्मसमर्पण चाहता है, जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान से मांगा है। पुतिन ने इजरायल-ईरान तनाव पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन का संघर्ष मध्य पूर्व में चल रहे तनाव से पूरी तरह अलग है। पुतिन ने कहा कि दोनों देशों के लिए कोई ऐसा हल निकाला जा सकता है, जो दोनों को मंजूर हो। उन्होंने ग्लोबल साउथ और मध्य पूर्व के देशों से इस मसले में मदद की उम्मीद जताई। पुतिन का कहना था कि किसी एक देश की सुरक्षा दूसरे देशों के नुकसान पर नहीं होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने ईरान को परमाणु ऊर्जा का अधिकार होने की बात भी कही। पुतिन ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू, ईरान के राष्ट्रपति पेज़ेशकियन और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप से बात की है। उन्होंने कहा, मैंने रूस का नजरिया साझा किया। उम्मीद है कि हमारे प्रस्तावों पर अमल होगा।

'दुश्मन की आक्रामकता बिना शर्त रोकें, अन्यथा होगी कठोर प्रतिक्रिया'

तेहरान (एजेंसी)। इजरायल के हाईफा शहर पर ईरान ने शुक्रवार को फिर भीषण मिसाइल हमला किया है। इससे

कई इमारतों से ऊंचा काला धुआं और आग की लपटें उठती देखी जा रही हैं। करीब एक हफ्ते इजरायल के साथ चल रही भीषण जंग के बीच ईरान के राष्ट्रपति डा. मसूद पेजेश्कियन का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने अपने एक्स एकाउंट पर एक पोस्ट के जरिये दुश्मन की आक्रामता को तत्काल रोके जाने, अन्यथा कठोर प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है। डॉ. पेजेश्कियन ने अपने एक्स एकाउंट पर पोस्ट में लिखा, हमने हमेशा शांति और स्थिरता की कामना की है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में इस थोपे गए युद्ध को समाप्त करने का एकमात्र रास्ता यह है कि दुश्मन की आक्रामकता को बिना शर्त रोका जाए और ज़ायोनी आतंकवादियों के दुस्साहस को हमेशा के लिए समाप्त करने की ठोस गारंटी दी जाए। अन्यथा, हमारी प्रतिक्रिया दुश्मन के लिए और भी कठोर और पश्चातापपूर्ण होगी।÷ ईरान की मिसाइलों ने शुक्रवार को इजरायल के हाईफा शहर पर दोबारा हमला कर दिया। दावा किया जा रहा है कि इस हमले में ईरानी मिसाइलों ने इजरायल की माइक्रोसॉफ्ट बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है। ईरान लगातार इजरायल के विभिन्न शहरों पर मिसाइल हमले कर रहा है। इजरायली सेना ने कहा है कि ईरानी हमले के चलते शहर में जगह-जगह हवाई हमलों के सायरन बज रहे हैं और लोगों को सुरक्षित ठिकानों व बंकरों में जाने को कहा गया है।

अवध असम एक्सप्रेस ने रेलवे ट्रॉली को उड़ाया, 1 की मौत

कटिहार (निप्र)। कटिहार में शुक्रवार को अवध असम एक्सप्रेस (15910) ट्रेन ने रेलवे ट्रॉली को टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली पर काम कर रहे एक ट्रॉलीमैन की मौत हो गई है। इस हादसे में 3 गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा सोनपुर रेल डिवीजन की है। कटिहार बरौनी रेल खंड के काढगोला और सेमापुर के बीच महारानी गांव के पास हादसा हुआ है। ट्रेन बरौनी से कटिहार डाउन लाइन पर आ रही थी। बताया जा रहा है कि रेलवे ट्रॉली पर 4 कर्मचारी ट्रैक का काम देख रहे थे। तभी पीछे से अवध असम एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन ने ट्रॉली को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रेन कटिहार जंक्शन में एक घंटे से ज्यादा देर तक खड़ी रही। 3.20 में ट्रेन वहां से रवाना हुई। इसके बाद उसे रवाना कर दिया गया है। रेलवे ट्रॉली को ट्रैक से हटाया गया है।

ट्रम्प ने मोदी को अमेरिका आने का न्योता दिया था

ओडिशा में मोदी बोले- खाने पर बुलाया, मैंने कहा महाप्रभु की धरती पर जाना है

भुवनेश्वर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भुवनेश्वर में कहा, मुझे भगवान जगन्नाथ की पवित्र भूमि आना था, इसलिए मैंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का वॉशिंगटन आने का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया। उन्होंने बताया, दो दिन पहले कनाडा में जी 7 समिट के लिए गया था। तभी अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने मुझे फोन किया और कहा कि आप कनाडा तो आए ही हैं, तो वॉशिंगटन होकर जाइए। साथ में खाना खाएंगे, बातें करेंगे, लेकिन मैंने अमेरिका के राष्ट्रपति से कहा कि निमंत्रण के लिए धन्यवाद। उन्होंने बताया, मैंने उनके (ट्रम्प) निमंत्रण को नम्रतापूर्वक मना किया। आप लोगों का प्रेम और महाप्रभु की भक्ति मुझे इस धरती पर खींचकर ले आई है। पीएम ओडिशा में भाजपा सरकार के एक साल पूरा होने के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने 2036 तक विकसित ओडिशा और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए विजन डॉक्यूमेंट्स जारी किया। इससे पहले उन्होंने एयरपोर्ट से जनता मैदान तक

रोड शो किया।

कनाडा में जी 7 समिट 17 और 18 जून को हुआ था। ट्रम्प और मोदी की मुलाकात प्रस्तावित थी। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प बैठक के दौरान ही चले गए, क्योंकि इस्राइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा था।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक बयान में बताया, मोदी ने मंगलवार को ट्रम्प का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया था, जब वह कनाडा से लौट रहे थे। मिस्री के अनुसार, मोदी ने कहा कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण वह निमंत्रण स्वीकार नहीं कर सकते। साथ ही उन्होंने ट्रम्प को भारत आने और इस साल के आखिर में संभावित क्वाड समिट में भाग लेने का निमंत्रण दिया।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आई कार, 500 मीटर तक घसीटा

मंदसौर (एजेंसी)। मंदसौर से एक सड़क हादसे का ऐसा वीडियो सामने आया है जिसे देखकर दिल दहल जाएगा। दरअसल, गुरुवार दोपहर को मंदसौर के दलौदा थाना क्षेत्र के भावगढ़ फंटे पर एक कार ट्रक की चपेट में आ गई। तेज रफ्तार से आ रहा ट्रक कार को करीब 500 मीटर तक घसीटता रहा। कार

बुरी तरह से क्षतिग्रसत हो गई लेकिन इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। सीसीटीवी में साफ नजर आ रहा है कि ट्रक तेज रफ्तार से आ रहा था और वह अपने साथ एक कार को भी घसीटते हुए ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। सामने आए 14 सेकंड के वीडियो में ट्रक से चिपककर कार तेज गति से घसीटाती हुई नजर आ रही है। दलौदा थाना प्रभारी मनोज गर्ग से मिली जानकारी के मुताबिक राजस्थान का यह ट्रक रतलाम से मंदसौर की ओर जा रहा था। उसी दौरान राजस्थान के नाथद्वारा के ही रहने वाले कार चालक से ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे के दौरान ट्रक चालक को काफी दूर तक यह एहसास ही नहीं हुआ कि ट्रक से कार घसीटाती हुई जा रही है। जब राहगीरों ने हल्ला मचाना शुरू किया तब ट्रक चालक ने ट्रक को रोका। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

महाराष्ट्र में भारी बारिश, नासिक में घरों-दुकानों में पानी भरा

बिहार के गयाजी में 18 लोगों का फाल्गु नदी से रेस्क्यू, 2 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारी बारिश के चलते गुजरात के अहमदाबाद, वापी और राजकोट में सड़क, घरों और दुकानों में पानी भर गया। सावरकुंडला, राजुला में स्थानीय नदियां उफान पर आ गई हैं। अमरेली में भारी बारिश से नदियों का पानी खेतों में जा घुसा। इससे फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। महाराष्ट्र के नासिक में भारी बारिश से गोदावरी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इससे नदी किनारे के निचले इलाकों के घर-दुकानों में पानी घुस गया। मध्यप्रदेश के श्योपुर में खिरखिरी नदी उफान पर आ गई, जिससे करीब 20 गांवों का संपर्क टूट गया। बिहार के गयाजी में बारिश के बाद फल्गु नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इससे 20 लोग फंस गए। स्थानीय ग्रामीणों ने 18 लोगों का रेस्क्यू किया। 2 की मौत हो गई। छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से सरगुजा के मैनी नदी में अचानक आई बाढ़ में मां-बेटे समेत चार लोग बह गए।

मौसम विभाग ने आज पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और मध्य महाराष्ट्र, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने गुरुवार रात महाराष्ट्र के कई जिलों के लिए अलर्ट जारी किया, क्योंकि राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। इसके चलते कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। रायगढ़ में अंबा और कुंडलिका नदियां खतरे के निशान को पार कर गई हैं। वहीं, पातालगंगा नदी के लिए भी चेतावनी जारी की गई है।

राहुल गांधी बोले- अंग्रेजी शर्म नहीं शक्ति है

कल शाह ने कहा था- अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सशक्तीकरण करती है। यह शर्मनाक नहीं है और इसे हर बच्चे को सिखाया जाना चाहिए। राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा-RSS नहीं चाहते कि गरीब बच्चे यह भाषा सीखें, क्योंकि वे नहीं चाहते कि वे सवाल पूछें और समानता हासिल करें। राहुल का यह पोस्ट अमित शाह की उस टिप्पणी के बाद आया, जिसमें शाह ने कहा था कि इस देश में जो लोग अंग्रेजी बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म आएगी।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं, जंजीरें तोड़ने का औजार है। BJP-RSS नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेज़ी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि आप सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें। आज की दुनिया में, अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी आपकी मातृभाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी, आत्मविश्वास बढ़ाएगी। भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है, और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है।

यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का मौका दे।

शाह ने हिंदी समेत भारतीय भाषाओं के भविष्य पर कहा, अपना देश, अपनी संस्कृति, अपना इतिहास और अपने धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती। अधूरी विदेशी भाषाओं के जरिए संपूर्ण भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। मैं अच्छी तरह जानता हूं, यह लड़ाई कितनी कठिन है, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय समाज इसे जीतेगा। एक बार फिर स्वाभिमान के साथ हम अपने देश को अपनी भाषाओं में चलाएंगे और दुनिया का नेतृत्व भी करेंगे।

फेक न्यूज पर सख्त कानून ला रही कर्नाटक सरकार

अगली कैबिनेट बैठक में पेश किया जाएगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार फेक न्यूज और गलत जानकारी रोकने के लिए नया कानून लाने की तैयारी में है। कर्नाटक मिसइन्फॉर्मेशन एंड फेक न्यूज (प्रोहिबिशन) बिल, 2025 का ड्राफ्ट तैयार हो चुका है, जिसे अगली कैबिनेट बैठक में पेश किया जाएगा। इस कानून के तहत सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने वालों को 7 साल तक की जेल और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। ड्राफ्ट बिल के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति कर्नाटक के अंदर या बाहर से ऐसी गलत जानकारी फैलाता है, जो जन स्वास्थ्य, सुरक्षा, शांति या चुनावों की निष्पक्षता को नुकसान पहुंचाए, तो उसे 2 से 5 साल की जेल और जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। फेक न्यूज फैलाने में मदद करने वालों को 2 साल की सजा का प्रावधान है।

क्या है फेक न्यूज और मिसइन्फॉर्मेशन? बिल में मिसइन्फॉर्मेशन को जानबूझकर या लापरवाही से गलत या भ्रामक जानकारी फैलाना बताया गया है। इसमें राय, धार्मिक उपदेश, सटायर, कॉमेडी या कला को शामिल नहीं किया गया है, बशर्ते आम आदमी उसे तथ्य न समझे। वहीं, फेक न्यूज में गलत उद्धरण, ऑडियो-वीडियो में छेड़छाड़, या पूरी तरह से बनाई गई सामग्री शामिल है। बिल में सोशल मीडिया पर फेक न्यूज को पूरी तरह बैन करने की बात है। साथ ही, ऐसी सामग्री पर भी रोक लगेगी जो अपमानजनक, अश्लील, महिला विरोधी हो, या जो सनातन प्रतीकों और विश्वासों का अपमान करे। इसके अलावा, अंधविश्वास फैलाने वाली सामग्री भी बैन होगी।

विशेष कोर्ट और तेज सुनवाई: फेक न्यूज रोकने के लिए सरकार फेक न्यूज ऑन सोशल मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाएगी। इसमें कन्नड़ और संस्कृति, सूचना व प्रसारण मंत्री चेयरपर्सन होंगे। इसके अलावा, कर्नाटक विधानसभा और विधान परिषद से एक-एक सदस्य, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से दो प्रतिनिधि, और एक द्रुस अधिकारी सचिव के तौर पर शामिल होंगे। कानून के उल्लंघन की सुनवाई के लिए विशेष कोर्ट बनाए जाएंगे और हर कोर्ट में एक विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति होगी। हाई कोर्ट की हर बेंच में भी एक विशेष लोक अभियोजक होगा।

मनीष सिसोदिया से कथित क्लासरूम घोटाला मामले में पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया शुक्रवार को भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) के समक्ष पेश हुए। बताया जा रहा है कि कथित क्लासरूम घोटाला मामले में सिसोदिया से एसीबी पूछताछ कर रही है। वहीं, इस मामले को लेकर आम आदमी पार्टी और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने बीजेपी पर हमला बोला है। एसीबी के सामने पेश होने से पहले मनीष सिसोदिया ने इस मामले को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। सिसोदिया ने कहा कि भाजपा झूठे आरोप लगा रही है। हमने उत्कृष्ट स्कूल बनाए। भाजपा सरकार स्कूलों के प्रबंधन में खराब है। दिल्ली में जलभराव है और बिजली कटौती हो रही है। भाजपा महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। सिसोदिया ने दावा किया कि इस मामले में कुछ भी नहीं निकलेगा। मैं इस मामले में एसीबी के समक्ष तथ्य रखूंगा। जानकारी के अनुसार, एसीबी ने सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर आप नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को तलब किया था। जैन 6 जून को एजेंसी के समक्ष पेश हुए थे। सिसोदिया को पहले 9 जून को एसीबी के समक्ष पेश होना था, लेकिन उनके वकील ने एजेंसी को सूचित किया कि वह कुछ कार्यक्रमों को लेकर व्यस्त हैं। वह तब एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे। बता दें कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में 12,000 से अधिक कक्षाओं या अर्ध-स्थायी संरचनाओं के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बाद 30 अप्रैल को एसीबी द्वारा एक प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद समन जारी किये गये।

राष्ट्रपति मुर्मू की आंखों से बहने लगे आंसू, दिव्यांग बच्चों ने बर्थडे पर गाना गाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आज शुक्रवार को 67वां जन्मदिन है। राष्ट्रपति उत्तराखंड के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। गुरुवार को वह देहरादून पहुंचीं, जहां दिव्यांग बच्चों ने अनूठे अंदाज में उन्हें जन्म दिन की बधाई दी।बच्चों ने %बार-बार ये दिन आए% गीत गाया। गीत सुनकर राष्ट्रपति मुर्मू भावुक हो गईं। उनकी आंखों से आंसू निकलने लगे। पीछे खड़े सिक्योरिटी कर्मी ने राष्ट्रपति को रुमाल दिया। करीब 1 मिनट राष्ट्रपति रोती रहीं, रुमाल से अपने आंसू पोंछते नजर आईं। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया। राष्ट्रपति गुरुवार शाम 5 बजे देहरादून के राजपुर रोड स्थित राष्ट्रपति आशियाना पहुंची थीं। उनके आगमन पर देहरादून में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राष्ट्रपति राष्ट्रीय दृष्टि बधितार्थ सशक्तिकरण संस्थान के कार्यक्रम में शामिल हुईं।

बच्चों ने राष्ट्रपति के सामने बार-बार ये दिन आए....आप जियो हज़ारों साल साल के दिन हों पचास हज़ार...हैप्पी बर्थ डे टू यू...गीत गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बच्चों ने बर्थडे विश किया। इस दौरान वह भावुक हो गईं। मंच पर ही उनकी आंखों से आंसू निकलने लगे। उनके पीछे खड़े सुरक्षा कर्मी ने उन्हें रुमाल दिया।

दिव्यांग बच्चों का यह कार्यक्रम देखकर सिर्फ राष्ट्रपति नहीं बल्कि मंच पर बैठे केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार, राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी काफी भावुक नजर आए। इस दौरान राष्ट्रपति ने बच्चों को चश्मा भेंट उन्हें सम्मानित किया।

राष्ट्रपति ने कहा- बच्चे अपने गले से नहीं, हृदय से गा रहे थे राष्ट्रपति ने कहा, हम जिस तरह दिव्यांग बच्चों के लिए काम कर रहे हैं। उसकी शानदार उदाहरण हमें देहरादून में देखने को मिलता है। मैं अपने जन्मदिन के मौके पर यहां आकर बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, जब मैं बच्चों को गाते हुए देख रही थी तो मेरी आंखों से आंसू नहीं रुक पा रहे थे। यह बच्चे गले से नहीं हृदय से कर रहे थे, मुझे लगता है कि सरस्वती उनके गले में बैठी है। उन्होंने कहा कि भगवान किसी के अंग में अगर कोई कमी देता है तो उसे एक ऐसी प्रतिभा देता है, जो लोगों से उसे अलग बनाती है। उन्होंने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनके 67वें जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने %ङ्ग% पर लिखा- उनका जीवन और लीडरशिप देशभर के करोड़ों लोगों को प्रेरित करता रहेगा। जन सेवा, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता सभी के लिए आशा और शक्ति की किरण है। पीएम ने आगे कहा- उन्होंने हमेशा गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए काम किया है। लोगों की सेवा करते हुए उन्हें लंबी और स्वस्थ जिंदगी मिले। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी राष्ट्रपति को उनके जन्मदिन की बधाई दी। ङ्ग पर लिखा, सेवा और सादगी की प्रतीक, मा. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई!

लाड़ली बहनों को बड़ी सौगात

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में लाड़ली बहनों को बड़ी सौगात देते हुए कहा है कि आगामी दीपावली से लाड़ली बहना योजना के तहत हितग्राही बहनों को 1500 रूपये प्रति माह की राशि नियमित दी जायेगी। उन्होंने कहा कि अभी वर्तमान में योजना के तहत 1250 रूपये प्रति माह की राशि लाड़ली बहनों को दी जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अगले महीने प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन मनाने के लिए 250 रुपए की अतिरिक्त राशि उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी। योजना के तहत चरणबद्ध रूप से राशि बढ़ाकर तीन हजार रूपये प्रति माह तक की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों को सशक्त बनाने के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को इंदौर में कलेक्टर कार्यालय में विश्व ?सिकल दिवस पर बड़वानी में आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली सम्बोधित करने के बाद मीडिया से चर्चा कर रहे थे।

म.प्र. लोकसेवा पदोन्नति नियम-2025 के संबंध में कैवियट दायर

भोपाल (एजेंसी)। सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 म.प्र. राजपत्र में 19 जून 2025 को अधिसूचित किया गया है। इस संभावना के दृष्टिगत राज्य के किसी संघ या शासकीय सेवक द्वारा म.प्र. लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 नियम अथवा नियम के किसी भी प्रावधान पर स्थगन लेने के लिए उच्च न्यायालय, मुख्य खंडपीठ जबलपुर / खंडपीठ इंदौर / खंडपीठ ग्वालियर में रिट याचिका दायर की जा सकती है। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि यदि मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 या उसके किसी भी प्रावधान को चुनौती दी जाती है तो उसकी अग्रिम प्रति महाधिवक्ता कार्यालय जबलपुर / इंदौर / ग्वालियर को उपलब्ध कराई जाये। उक्त आशय की जानकारी देते हुए उप सचिव अजय कटेसरिया ने बताया कि उच्च न्यायालय मुख्य खंडपीठ जबलपुर / खंडपीठ इंदौर / खंडपीठ ग्वालियर में मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल द्वारा कैवियट दायर की जा रही है।

मंत्री श्री राजपूत ने किया सागर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह स्थल का निरीक्षण

भोपाल (एजेंसी)। डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में 33वें दीक्षांत समारोह में केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी शामिल होंगें। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता तथा विश्वविद्यालय प्रबंधन के साथ दीक्षांत समारोह स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हमारा यह सौभाग्य है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी प्रथम बार सागर पधार रहे हैं, विश्वविद्यालय प्रबंधन ने बहुत अच्छी तैयारियां की है। मंत्री श्री राजपूत ने विश्वविद्यालय प्रबंधन की तैयारियों को लेकर संतुष्टि प्रकट करते हुए दीक्षांत समारोह स्थल तथा विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया।

प्रदेश में 4 लाख से अधिक विद्यार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण

भोपाल। प्रदेश के 2383 सरकारी स्कूलों में कक्षा-9वीं से 12वीं तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी कौशल विकास के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा व्यावसायिक शिक्षा योजना संचालित की जा रही है। पिछले शैक्षणिक सत्र में 12 ट्रेड्स में करीब 4 लाख 5 हजार विद्यार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाया गया। 12 ट्रेड में एग्रीकल्चर, अपेरल, ऑटोमोटिव, ब्यूटी एण्ड वेलनेस, बैंकिंग एण्ड फायनेंस सर्विसेस, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड हार्डवेयर, हेल्थ केयर, रिटेल, फिजिकल एजुकेशन, टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटेलिटी, प्लम्बर और आईटी विधाओं से जुड़े हैं।

इस शैक्षणिक सत्र में भी व्यावसायिक शिक्षा के और नये ट्रेड्स शुरू किये जाने पर स्कूल शिक्षा विभाग योजना तैयार कर रहा है।

अपने भीतर के पत्रकार को जगाए रखें : कुलगुरु श्री तिवारी

भोपाल (एजेंसी)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के नवनियुक्त सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी एवं अपर संचालक गुरमीत सिंह वाधवा ने किया। इस अवसर पर कुलगुरु श्री तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों में जन शब्द लगा है इसीलिए उन्हें जन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पी आर ओ को लिखते समय अपने भीतर के पत्रकार को मरने नहीं देना चाहिए, उसे हमेशा जगाए रखना चाहिए।

श्री तिवारी ने कहा कि पीआरओ सीधे जनता से जुड़ेंगे तो जनता को अच्छा लगेगा। अच्छा लिखने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि अच्छा लिखने का सामर्थ अच्छा पढ़ने से आता है इसलिए आपको खूब पढ़ना चाहिए ताकि अच्छा लिख सको। श्री तिवारी ने कहा कि अगले 25 साल अतिमहत्वपूर्ण हैं। 2047 में जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तो इसमें आपका भी योगदान और भूमिका बहुत बड़ी होगी। कुलगुरु ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को अच्छी मंशा एवं नियत के साथ कार्य करना चाहिए। गांव में बहुत अच्छे अच्छे कार्य करने वाले,

नवाचार करने वाले लोगों से, सरपंचों से मिलना चाहिए और उनकी कहानियों को लेखन के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यान, इंफ्रास्ट्रक्चर आदि जनता से सीधे जुड़े विषय पर लेखन करने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि आप जिस भी जिले में जाएं उसके इतिहास, वहां की खूबियों के बारे में अवश्य जानकारी रखें।

जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक श्री गुरमीत सिंह वाधवा ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को रुटीन खबरों के अलावा यूनिक एवं हटके खबरें देने का प्रयास करना चाहिए। हमेशा सजग रहने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि पीआरओ को सफल होना है तो मीडिया के साथ समन्वय बहुत जरूरी है। उन्होंने समाचार लेखन में सुधार की चर्चा करते हुए कहा कि अखबारों की लीड और हेड लाइन को प्रतिदिन देखें और उनसे भी कुछ नया सीखे। श्री वाधवा ने कहा कि सोशल मीडिया से पहले जनसंपर्क विभाग का काम सुबह 10 से शाम 6 तक का था, लेकिन आज के दौर में यह काम 24 घंटे का हो गया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के कारण आपको सावधानी और सतर्कता के साथ अपनी भूमिका निभाना है।

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण दुबे ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारी सरकार और समाज के बीच ब्रिज का काम करते हैं। वर्तमान युग सोशल मीडिया का है अत: पी.आर.ओ. की भूमिका भी बदल गई है। पहले प्रचार प्रसार मुख्य कार्य था लेकिन आजकल क्राइसिस मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारी भी निभाना रही रहा है। श्री दुबे ने जनसंपर्क अधिकारियों को केश करने पढ़ने एवं सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करते समय विशेष सतर्कता बरतने को कहा।

शुभारंभ सत्र के बाद अगले सत्र में मध्यप्रदेश की भौगोलिक जानकारी, क्षेत्रफल, जनसंख्या विषय पर विषय विशेषज्ञ सी.के. शर्मा ने महत्वपूर्व जानकारी प्रदान की।

जब तक नदियां बारहमासी नहीं होगी तब तक बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा पाना चुनौती-पंचायत मंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश को नदियों को मायका कहा जाता है, 247 से अधिक नदियों का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश में है, भारत के किसी भी राज्य में इतनी नदियों का उद्गम नहीं है, हमारी नदियों का पानी मॉ नर्मदा, गंगा, गोदावरी के बेसिन में जाता है। हम सभी सौभाग्यशाली है कि यहॉ गौरेया नदी का उद्गम है। इस स्थल पर फैंसिंग कर पौधे लगाये-जायेंगे और वहॉ कुंडी भी बनाई जायेगी जिससे लगे कि यह गौरेया नदी का उद्गम स्थल है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने तेंदूखेड़ा के ग्राम इमलीडोल में गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत गुरूवार को समारोह को संबोधित किया। मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि जल ही जीवन है, जल है तो कल है, इसे

संरक्षित और सहेज कर रखें क्योंकि जल के बिना प्राणियों का जीवन असंभव है इसलिए जल के संरक्षण के साथ जल देने वाले कुॅओं, तालाब और नदी को साफ सुथरा रखें और उन्हें संरक्षित करें। उन्होंने कहा कि जब तक नदियां बारहमासी नहीं होगी तब तक बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा पाना चुनौती है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाये। उन्होंने सभी से पेड़ लगाने का आहवान करते हुए कहा कि ग्राम के लोग यहां पर पेड़ जरूर लगाएं। मॉ नर्मदा के परम भक्त दादा गुरू जी ने भी समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम में जनसामान्य के अलावा जन-प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

भारिया जनजाति की बेटी शांति बनी प्रदेश का गौरव

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के सुदूर जनजातीय अंचल से निकलकर जिले की एक बेटी ने नीट की परीक्षा उत्तीर्ण कर इतिहास रच दिया है। सीमित संसाधनों, कठिन परिस्थितियों और सामाजिक चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए कुमारी शांति पचलिया ने यह साबित कर दिया कि अगर इरादा मजबूत हो, सपने सिर्फ देखे नहीं, पूरे भी किए जा सकते हैं। विशेष पिछड़ी जनजाति भारिया से ताल्लुक रखने वाली छात्रा कु. शांति, छिंदवाड़ा जिले की पहली छात्रा बन गई हैं जिसने नीट की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार, गाँव और समुदाय को गौरवान्वित किया है, बल्कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों विद्यार्थियों को एक नई प्रेरणा भी दी है।

शांति का जन्म 23 अप्रैल 2007 को विकासखण्ड हर्रई के ग्राम बालूसार में हुआ। उनके पिता श्री लिट्टी पचलिया कृषक हैं और माता श्रीमती लता पचलिया गृहिणी हैं। शांति ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई शासकीय विद्यालयों से की और वर्तमान में आदिवासी उत्कृष्ट छात्रावास हर्रई में निवास करती हैं। पढ़ाई के लिए उन्होंने रोजाना 4 से 5 घंटे तक कड़ी मेहनत की और नीट 2025 परीक्षा में सफल हुईं। आर्थिक और सामाजिक रूप से सीमित संसाधनों के बावजूद शांति का सपना था डॉक्टर बनकर अपने गाँव की सेवा करना। उनका कहना है कि मैं अपने गाँव को आगे बढ़ाना चाहती हूँ और सबकी मदद करना चाहती हूँ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जनजातीय संवर्ग के विद्यार्थियों को उच्च और तकनीकी शिक्षा के लिये निःशुल्क शिक्षा के लिये बनाई गई शैक्षणिक योजनाओं की सहुलियतों ने शैक्षणिक क्रांति का बीजारोपण किया है। सरकार ने जुलाई 2024 से सभी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में नीट और जेईई की तैयारी के लिए एक अतिरिक्त पीरियड की व्यवस्था शुरू करवाई। इसके साथ ही इंदौर की नामचीन कोचिंग संस्था की मदद से कार्यशालाएँ, निशुल्क नोट्स, हिंदी-अंग्रेजी में अध्ययन सामग्री और ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराई गई। शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया, छात्रों की कठिनाइयों को समय-समय पर दूर किया गया।

नीट 2025 परीक्षा में छिंदवाड़ा के लगभग 1400 विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 80 से ज्यादा विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की, इनमें से कई आदिवासी विकासखंडों के छात्र-छात्राएँ भी शामिल हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने नीट 2025 में चयनित शांति सहित सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा है कि, सरकारी स्कूलों के बच्चों में असीम क्षमता है, उन्हें सिर्फ दिशा, संसाधन और निरंतर प्रेरणा की ज़रूरत होती है।

राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य में घड़ियाल प्रजनन का सफल सीजन

भोपाल(एजेंसी)। राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य द्वारा घड़ियालों के संरक्षण में शानदार उपलब्धि हासिल की गयी है। इस वर्ष अभयारण्य में घड़ियाल प्रजनन का सफल सीजन रहा है। विभिन्न नेस्टिंग साइड पर बड़ी संख्या में मादा घड़ियालों ने घोंसले बनायें। इन घोंसलों से घड़ियाल शिशु को सुरक्षित निकालना प्रारंभ हो चुका है। अभी तक नंदी गाँव में 46 घोंसले, बरौली में 32, बाबू सिंह घेर में 20, डाग वसई में 16, रैड्डी में 7 और भरा में 5 घोंसलों में से घड़ियालों के बच्चों को निकाला जा चुका है।

इसके अतिरिक्त अन्य स्थलों पर भी घोंसलों से बच्चे निकल रहे हैं। चम्बल की सहायक नदी कूनो में भी 12 घोंसलों से बच्चे निकल चुके हैं, जो घड़ियालों की बढ़ती उपस्थिति और सफल प्रजनन का संकेत है। निदेशक राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य के कुशल मार्गदर्शन और फील्ड में कार्यरत वनकर्मियों के अथक प्रयासों से यह सफलता मिली है। घड़ियाल प्रजनन स्थलों की पहचान, घोंसलों का चिन्हांकन और सुरक्षा की पूरी प्रक्रिया में फ्रंटलाइन स्टॉफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वनकर्मियों ने घोंसलों को खोजकर उनके ऊपर काँटे लगाकर उन्हें सियार एवं परभक्षियों से सुरक्षित किया तथा हेंचिंग के समय इन काँटों को सावधानीपूर्वक हटाकर बच्चों को सुरक्षित निकालना सुनिश्चित किया।

वन विभाग द्वारा राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य क्षेत्र से 200 घड़ियाल अण्?डों को एकत्र कर उन्हें घड़ियाल पुनर्वास केन्द्र देवरी भेजा गया। वहाँ उन्हें विशेष देखरेख में रखा गया। इनमें से 195 अण्डों से सफलतापूर्वक बच्चों का जन्म हुआ है, जिनका पालन-पोषण किया जा रहा है। यह समूचा प्रयास चम्बल क्षेत्र में घड़ियाल संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो वन विभाग के समर्पण, वैज्ञानिक प्रबंधन और स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सप्रे संग्रहालय में हिन्दी पत्रकारिता द्वि-शताब्दी समारोह 21 जून को

भोपाल (एजेंसी)। ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय में 21 जून को पूर्वान्ह 10:30 बजे हिन्दी पत्रकारिता द्वि-शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश होंगे। भारतीय प्रेस परिषद के वरिष्ठ सदस्य श्री प्रकाश दुबे अध्यक्षता करेंगे। मुख्य वक्ता माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री विजयमनोहर तिवारी रहेंगे। इस अवसर पर %माधवराव सप्रे पत्रकारिता सम्मान से प्रखर संपादक श्री विष्णु प्रकाश त्रिपाठी, महेश गुप्ता सृजन सम्मान से प्रेरक वक्ता डा. विजय अग्रवाल और मनोज पाठक न्यू मीडिया पुरस्कार से श्री राकेश मालवीय को विभूषित किया जाएगा। कीर्तिशेष मनोज पाठक के मित्रों-स्वजनों की भावांजलि पर केन्द्रित पुस्तक %मित्र स्मृति = स्मरण मनोज पाठक का विमोचन अतिथि करेंगे। सप्रे संग्रहालय के निदेशक श्री अरविंद श्रीधर ने बताया कि श्री हरिवंश के व्याख्यान का विषय %डिजिटल युग में हिन्दी पत्रकारिता की चुनौतियाँ रखा गया है। श्री प्रकाश दुबे %पत्रकारिता का वर्तमान परिदृश्य और साख का संकट, भारतीय मीडिया परिषद की आवश्यकता पर वक्तव्य देंगे। श्री विजय मनोहर तिवारी श्री हरिवंश कृत समय के सवाल = सामाजिक सरोकारों और समसामयिक सवालों के लिए सचेत संपादक के बहुआयामी कृतित्व का मूल्यांकन प्रस्तुत करेंगे।

आर्थिक रूप से कमजोर व असहायों की मदद के लिए सरकार कटिबद्धः ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने गुरुवार को दिव्यांगों को 47 ट्राई साईकिल व 2 व्हील चेयर एवं 359 हितग्राहियों को कामकाजी महिला कार्ड, आयुष्मान कार्ड, कल्याणी पेंशन और राशन पात्रता पर्चियों का वितरण किया।

ग्वालियर रेसकोर्स रोड स्थित स्थानीय आवास पर यह सहायता वितरित करते हुए ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इसी भाव के साथ प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय एवं अन्य जरूरतमंदों की मदद पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर रही है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जन समुदाय से कहा कि आप सबके

सहयोग से ग्वालियर उप नगर की तस्वीर बदल रही है। केन्द्र व राज्य सरकार कृत संकल्पित होकर देश व प्रदेश के विकास में जुटी हैं।

सरकार से ग्वालियर उपनगर के विकास के लिये लगातार धनराशि प्राप्त हो रही है, इससे इस क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मैं ट्राई साईकिल वितरण कर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा कि स्वच्छता के मामले में ग्वालियर को अव्वल बनाना है। इसलिए अपने घर व अपनी गली को स्वच्छ रखना हमें अपनी आदत में शामिल करना होगा, तभी हम स्वच्छ ग्वालियर के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर राज्य और केन्द्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 359 हितग्राहियों को हित लाभ के प्रमाण पत्र वितरित किए गये। ऊर्जा मंत्री ने कहा वे नियमित रूप से फेसबुक पर लाइव होते हैं। इसके जरिए भी मुझसे जुड़कर नाकरिक अपनी समस्या बता सकते हैं। श्री तोमर ने यह भी कहा हम सभी संकल्प लें कि हमें नशा मुक्त और स्वच्छ ग्वालियर बनाना है।

शासकीय-अशासकीय भवनों में जल संग्रहण के लिये वॉटर हार्वेस्टिग को प्राथमिकता

भोपाल। प्रदेश मेंजल गंगा संवर्धन अभियान में 30 मार्च से शुरू किये गये कार्य लगभग पूरे किये जा चुके है। जिला प्रशासन द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा की जा रही है। प्रदेशव्यापी अभियान 30 जून को संपन्न हो जायेगा। जिलों में जल स्त्रोतों के आसपास व्यापक पौधरोपण योजना तैयार की जा रही है। जल संरक्षण के लिये शासकीय-अशासकीय भवनों में वॉटर हार्वेस्टिग को प्राथमिकता दी गई है।

अशोक नगर में जल गंगा संवर्धन अभियान में संविधान वाटिका एवं पिपलेश्वर महादेव मंदिर न्यायालय परिसर में जल संरक्षण के लिये रैन वाटर हार्वेस्टिग सिस्टम का निर्माण किया गया है। यह कार्य जिला न्यायाधीश श्री संजीव सिंघल के

मार्गदर्शन में किया गया। वर्षा काल के दौरान जल को संरक्षित करने के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग का निर्माण किया गया है। संविधान वाटिका एवं पिपलेश्वर महादेव मंदिर न्यायालय परिसर में सोखते गड्ढो का निर्माण किया गया है।

खंडवा जिले में गिरते भू-जल स्तर को रोकने और वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिये जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी शासकीय और निजी भवनों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर स्थापित किए जा रहे हैं। इस पहल में जिला प्रशासन, नगरीय और ग्रामीण स्थानीय निकायों, उद्योगों, स्वयंसेवी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, गृहस्वामियों, पंचायतों और समुदाय आधारित संगठनों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। खंडवा में इस विषय को लेकर जल संवाद कार्यशाल हुई। कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को पानी की बचत की शपथ दिलाई गई। कार्यशाला को कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता ने संबोधित किया।

नरसिंहपुर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामीण अंचल में जल सहेजने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद की विभिन्न समितियों द्वारा दीवार लेखन का कार्य किया जा रहा है। दीवार लेखन के माध्यम से विभिन्न प्रेरक स्लोग के जरिये लोगों को प्रेरित कर जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया जा रहा है।

वंदे भारत के एक्जीक्यूटिव कोच में यात्री को पीटा

भोपाल (एजेंसी)। दिल्ली से भोपाल आ रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के एक्जीक्यूटिव कोच में सवार एक यात्री के साथ झांसी रेलवे स्टेशन पर 7-8 लोगों ने मारपीट की। मारपीट का आरोप यूपी के झांसी के बबीना से भाजपा विधायक राजीव सिंह के समर्थकों पर लगा है। बताया जा रहा है कि झांसी जिले की बबीना विधानसभा से भाजपा विधायक राजीव सिंह वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच श्व-2 में पत्नी और बेटे के साथ दिल्ली से सवार हुए थे। राजीव सिंह का सीट नंबर 8 था, जबकि उनकी पत्नी कमली सिंह का सीट नंबर 50 और बेटे श्रेयांश सिंह का नंबर 51 था।

ट्रेन में सवारी यात्रियों ने बताया की 49 नंबर पर विंडो साइड पर राज प्रकाश नाम के यात्री बैठे हुए थे। विधायक ने उनसे कहा कि तुम मेरी 8 नंबर की सीट पर चले जाओ। राज प्रकाश ने सीट बदलने से मना कर दिया। इसके बाद जैसे ही ट्रेन झांसी रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो ट्रेन के कोच में 7 से 8 लोग आए और 49 नंबर की सीट पर बैठे राज प्रकाश के साथ जमकर मारपीट की। यात्री को लात-घूंसे से पीटा। जिसमें उसकी नाक में फ्रैक्चर भी हो गया है।

जिस वक्त ट्रेन में मारपीट हुई उस वक्त पूर्व मंत्री रामनिवास रावत भी उसी कोच में सवार थे। पूर्व मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर घटना के बारे में लिखा- वंदे भारत (20172 दिल्ली से भोपाल) में एक्जीक्यूटिव क्लास (श्व2) में सीट नंबर 49 पर बैठे एक व्यक्ति के साथ 7-8 बाहर से आए लोगों ने पूरे कोच के यात्रियों के सामने मारपीट की। घायल व्यक्ति के नाक, मुंह, कान से खून बहने लगा। इन लोगों का साथ पुलिस के कुछ लोग भी दे रहे थे। वंदे भारत जैसी ट्रेन में ये स्थिति है तो आम ट्रेनों में यात्रियों का क्या हाल होगा? इस तरह की घटनाएं यात्रियों को भयभीत करने का काम करती है। माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी से आग्रह है इस और विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शिक्षण संस्थाओं में होगा सामूहिक योग

भोपाल। प्रदेश में ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून 2025 को प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक योग प्रदर्शन के लिये लोक शिक्षण संचालनालय ने दिशा निर्देश जारी किये है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की इस वर्ष की थीम एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य के लिये योग रखी गई है। दिये गये निर्देशों में कहा गया है कि शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक योग प्रदर्शन के लिये आयुष मंत्रालय के कॉमन योग प्रोटोकॉल का पालन किया जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के आयोजन से संबंधित अतिरिक्त जानकारी, जिसमें ब्रांडिंग किट, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से संबंधित आवश्यक सहायक सामग्री, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 10 प्रमुख कार्यक्रमों से संबंधित व्यापक पाठ्य सूचना और लिंक की जानकारी दिशा निर्देश के साथ भेजी गयी है। संपूर्ण प्रदेश में योग कार्यक्रम के लिये निर्धारित पल प्रतिपल समय सारणी के अनुसार आयोजित किया जायेगा। मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के उद्बोधन कार्यक्रमों का सीधा प्रसार प्रसारण एनआईसी द्वारा प्रदाय लिंक के माध्यम से किया जायेगा। दिशा निर्देश में कहा गया है कि योग के मूल सिद्धांतों और इसके लाभों को बताने के लिये विद्यालयों में कार्यक्रम स्थल पर योग विशेषज्ञों को आमंत्रित कर योग व्याख्यान करायें।

उप मुख्यमंत्री विश्व योग दिवस कार्यक्रम के होंगे मुख्य अतिथि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में योग दिवस पर सुबह 6 बजे से 8 बजे तक योगाभ्यास के विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा में शासकीय उत्कृष्ट उमावि मार्तण्ड क्रमांक एक में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि योग दिवस के कार्यक्रम प्रातः 6 बजे शुरू होंगे। सुबह 6 बजे विद्यार्थी तथा योगाभ्यास में शामिल होने वाले एकत्रित होकर अपना स्थान ग्रहण करेंगे। सुबह 6.05 बजे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री शुक्ल का उद्बोधन होगा। इसके बाद भोपाल से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के योग दिवस संदेश और उद्बोधन का सुबह 6.30 बजे से 6.40 बजे तक सजीव प्रसारण सभी स्थलों में दिखाया जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशाखापट्नम से योग दिवस के उद्बोधन का सुबह 6.40 बजे से सजीव प्रसारण दिखाया जाएगा। कार्यक्रम में सुबह 7 बजे से 7.45 बजे तक निर्धारित योग प्रोटोकाल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास होगा। कलेक्टर ने बताया कि विश्व योग दिवस पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों में योगाभ्यास के कार्यक्रम होंगे। रीवा नगर निगम में विवेकानंद पार्क तथा अटल पार्क सिविल लाइन में योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। सभी माध्यमिक विद्यालय, हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूल, पॉलिटेक्निक कालेज, आईटीआई, इंजीनियरिंग कालेज, मेडिकल कालेज सहित सभी शासकीय तथा निजी महाविद्यालयों में योग के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में भी योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयुष विभाग की सभी संस्थाओं एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में भी योग दिवस के कार्यक्रम होंगे।

जर्जर शाला भवनों तथा कक्षों को सात दिनों में गिराने के निर्देश

जर्जर भवनों की कक्षाएं तत्काल वैकल्पिक स्थल में करें संचालित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी तथा सभी बीईओ और बीआरसी स्कूल भवनों के संबंध में तीन दिवस में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। किसी भी जर्जर भवन और कक्ष में कक्षाएं संचालित न करें। जिले में चिन्हित 71 जर्जर भवनों की शालाएं तत्काल वैकल्पिक स्थानों में स्थानांतरित करके उनका नियमित संचालन कराएं। इसके लिए आसपास उपलब्ध अन्य शासकीय भवनों तथा ग्राम पंचायतों की परिसम्पत्तियों का उपयोग करें। रिक्त जर्जर भवनों और कक्षों को सात दिवस में डिसमेंटल करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को अपने-अपने अनुभाग में 21 जून को दोपहर 12 बजे से बैठक आयोजित कर जर्जर शाला भवनों और कक्षों को ध्वस्त करने संबंधी आदेश पारित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी बीईओ और बीआरसी जर्जर शाला भवनों के संबंध में दिए गए निर्देशों का पालन करके सात दिवस में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि रमसा के इंजीनियर तथा बीईओ सभी शालाओं का निरीक्षण करें। जो शाला भवन सुधार योग्य हैं उसमें तत्काल सुधार कार्य कराएं। जिला प्रभारी रमसा इंजीनियरों से प्राप्त भवनों के सुधार के स्टीमेट को स्वीकृति देकर तत्काल राशि जारी करें। जर्जर भवनों के कारण यदि किसी विद्यार्थी के साथ कोई दुर्घटना हुई तो दोषियों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि सभी बीईओ और बीआरसी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से संपर्क करके जर्जर भवनों के संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करें। शासन के निर्देशों के अनुसार सभी स्कूल शुरू हो गए हैं। इनके संचालन की नियमित मानीटरिंग करें। बैठक में डीपीसी विनय मिश्रा ने बताया कि शालाओं के 1695 शौचालयों में सुधार के लिए राशि जारी कर दी गई है। इनमें सुधार कार्य 15 दिवस में पूरा करा लिया जाएगा। बैठक में सहायक संचालक राजेश मिश्रा, सभी बीईओ, बीआरसी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बीएलओ क्षमता विकास का प्रशिक्षण देने के लिये जिले के मास्टर ट्रेनर्स 21 जून को भोपाल में प्रशिक्षित होंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स को उपस्थिति के निर्देश दिये।

टी.आर.एस. महाविद्यालय के डॉ. संकठा प्रसाद शुक्ला, पॉलीटेकनिक कॉलेज के डॉ. गौरव गुप्ता, शा. महाविद्यालय सेमरिया के डॉ. रावेन्द्र कुमार, शा. महाविद्यालय त्योंथर के डॉ. रणवीर सिंह, शा. महाविद्यालय मऊगंज के डॉ. विवेक कुमार पटेल, शा. महाविद्यालय नईगढ़ी के डॉ. कृष्णचन्द्र मिश्र, शा. महाविद्यालय रायपुर कर्चुलियान के बी.एन. सिंह, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा के डॉ. जितेन्द्र कुमार पाण्डेय तथा शा. आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा के डॉ. जयराम प्रजापति को मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त कर प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिये गये हैं।

वर्षा जल को संचित करने हो रहे जल संरक्षण के कार्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिले में वर्षा जल को संचित करने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लगातार जल संरक्षण के कार्य कराए जा रहे हैं। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि जनपद पंचायत रीवा की ग्राम पंचायत मरहा में दो खेत तालाबों और तीन कुंओं में रिचार्ज पिट का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। मऊगंज जिले में ग्राम पंचायत कुलबहेरिया में हितग्राही कुसुमकली तथा ग्राम पंचायत सीतापुर में हितग्राही विजय गुप्ता की जमीन में खेत तालाब का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इनमें संचित वर्षा जल से एक ओर भूमि में पानी का संचय बढ़ेगा वहीं दूसरी ओर किसान को सिंचाई और निस्तार के लिए पानी मिलेगा। ग्राम पंचायत शिवपुरवा 603 में भी दो खेत तालाबों का निर्माण पूरा किया गया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि मऊगंज जिले में ग्राम पंचायत पहाड़ी निरपत सिंह तथा रतनगवां में चार खेत तालाबों का सहायक यंत्री अंकिता सोहगौरी की निगरानी में निर्माण कार्य पूरा किया गया। जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मरहा में स्वसहायता समूह के सदस्यों तथा पंचायत पदाधिकारियों ने रैली निकालकर जल संरक्षण का संदेश दिया। ग्राम पंचायत अटरिया में शिवप्रसाद के कुंए में रिचार्ज पिट का निर्माण पूरा कराया गया।

ग्राम पंचायत मिसिरगवां तथा रतनगवां में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वृक्षारोपण के लिए गड्ढे तैयार किए जा रहे हैं। इसी तरह जिले भर में खेत तालाब, अमृत सरोवर तथा हैण्डपंप एवं ट्यूबवेलों में रिचार्ज पिट का निर्माण किया जा रहा है। इनके माध्यम से वर्षा जल को धरती माँ की कोख में संचित किया जा सकेगा।

स्वस्थ यकृत मिशन के तहत नगर निगम रीवा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वस्थ यकृत मिशन के तहत नगर निगम रीवा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह मिशन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है जिसका उद्देश्य राज्य में यकृत यानी लीवर से संबंधित बीमारियों की रोकथाम, शीघ्र पहचान और उपचार करना है। इस मिशन के तहत, स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच शिविर का आयोजन किया गया। जहां चिकित्सा प्रशिक्षण और परामर्श प्रदान किया गया साथ ही दवाइयां वितरित की गईं। बतादें कि इस मिशन के तहत आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों का वजन, ऊंचाई और कमर का माप लेंगे ताकि फैटी लीवर रोग के संभावित संदिग्धों की पहचान की जा सके।

नाट्य कार्यशाला का आयोजन 1 से

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रंग उत्सव नाट्य समिति द्वारा रीवा के तानसेन काम्प्लेक्स में 1 जुलाई से नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। नाट्य कार्यशाला के आयोजक अंकित मिश्रा ने बताया कि इस ऐक्टिंग वर्कशॉप में कैमरा और थिएटर अभिनय, डायलॉग डिलेवरी, बॉडी मूवमेंट, वाइस प्रोजेक्शन, वाइस मॉडुलेशन सहित अन्य अभिनय की बारीकियां सिखाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा वर्ष भर में 4 नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत यह कार्यशाला रीवा में आयोजित की जा रही है। बतादें कि रंग उत्सव नाट्य समिति ने कई नाट्य प्रस्तुतियां देश एवं प्रदेश के विभिन्न शहरों में दी है। इसके साथ ही प्रति वर्ष चित्रांगन अंतरराष्ट्रीय फिल्म एंड थिएटर फेटिवल एवं रघुनन्दन महोत्सव का आयोजन संस्था करती है। जिसमें स्थानीय कलाकारों के साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार शिरकत करते हैं।

बीहर नदी में डूबने से युवक की मौप्तत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर की बीहर नदी में डूबने से एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना करहिया पुल के समीप हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची जहां सर्च ऑपरेशन कर नदी में डूबे युवक के शव को नदी से बाहर निकाल लिया। पुलिस ने शव को अस्पताल पहुंचाया है जहां पंचनामा कारवाई कर पीएम कराया गया। जानकारी के मुताबिक मृतक अमित विश्वकर्मा भाई और जीजा सहित चार लोगों के साथ बीहर नदी में नहाने गया था। सभी नहाने के बाद नदी से बाहर निकल आए, लेकिन अमित एक बार फिर से नहाने की जिद की और नदी में उतर गया। इस दौरान वह देखते ही देखते नदी के गहरे पानी में जा समाया। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

गड़रा कांड में 88 दिन बाद चालान पेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज के शाहपुर थाना क्षेत्र के गड़रा कांड में पुलिस ने 88 दिन बाद कोर्ट में चालान पेश कर दिया है। एएसपी विक्रम सिंह ने चालान पेश करने की पुष्टि की। पुलिस अब फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर ध्यान केंद्रित कर रही है। गांव में धारा 144 अभी भी लागू है। बतादें कि यह मामला 15 मार्च को शनि द्विवेदी की हत्या और पुलिस पर हमले से जुड़ा है। घटना में गड़रा गांव के आदिवासियों ने शनि द्विवेदी को बंधक बनाकर पीटा। इससे उनकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर भी हमला किया गया। इस हमले में एएसआई रामचरण गौतम शहीद हो गए। एक तहसीलदार समेत एक दर्जन पुलिसकर्मी घायल हुए।पुलिस ने दो अलग-अलग केस दर्ज किए। पहला शनि द्विवेदी की हत्या का और दूसरा पुलिस पर हमले का। दोनों मामलों में कुल 49 आरोपी नामजद हुए। इनमें से 39 की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों में 4 नाबालिग हैं। उन्हें बाल सुधार गृह से जमानत मिल गई है। 35 आरोपी जेल में हैं। 10 आरोपी अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस सर्च अभियान चला रही है।

एलआईसी एजेंट ने बुजुर्ग को पीटा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के नई गढ़ी थाना क्षेत्र में एलआईसी एजेंट ने अपने बेटे के साथ मिलकर एक बुजुर्ग से मारपीट कर दी। यह घटना उस समय हुई, जब बुजुर्ग ने अपनी बेटी की शादी के लिए जमा किए पैसे एलआईसी से निकलवाने के लिए एजेंट के पास गया था। पीड़ित निरंजन पटेल ने बताया कि वह देवरिहन गांव का रहने वाला है। वह गांव के एलआईसी एजेंट मोहन पटेल के पास हर महीने 1500 रुपए जमा करता था। जब वह पैसे लेने एजेंट के घर गया तो वह नहीं मिला। इसके बाद निरंजन भीर गांव गया। वहां मोहन पटेल और उसके बेटे दिलीप ने निरंजन की पिटाई कर दी। घायल निरंजन नई गढ़ी थाने पहुंचा, लेकिन पुलिस ने उसकी शिकायत दर्ज नहीं की। जिसके बाद पीड़ित ने मऊगंज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से फरियाद लगाई है।

चार साल से चक्कर काट रहा किसान

मीडिया ऑडीटर, मैहर(निप्र)। मैहर जिले का प्रशासन चार साल बाद भी मतवारा में एक किसान को उसकी जमीन का कब्जा नहीं दिला पाया। किसान ने शुक्रवार को तहसीलदार को शिकायती पत्र सौंपा है। अमदरा नायब तहसीलदार ने 2021 में धारा 250 के तहत जगदीश पटेल की जमीन से रामकृष्ण पटेल और अन्नू पटेल को बेदखल करने का आदेश दिया था। फैसले में पुलिस बल की मदद से अतिक्रमण हटाने को कहा गया था, लेकिन चार साल बीत जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई है। फरियादी ने इस दौरान तहसीलदार, पुलिस विभाग, अमदरा थाना, एसडीएम और कलेक्टर कार्यालय के कई चक्कर लगाए। मैहर कलेक्टर की जनसुनवाई में भी आवेदन किया, लेकिन समाधान नहीं निकला।

सिंगरौली जिला अस्पताल से स्टाफ गायब

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर में गुरुवार रात को विधायक रामनिवास शाह और कलेक्टर ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान यहां पर ज्यादातर डॉक्टर अनुपस्थित मिले। वहीं बच्चा वार्ड में बिजली गुल होने से नवजातों की जान पर भी बन आई। जिसपर दोनों ने नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान ड्रेसिंग कक्ष, इमरजेंसी के अलावा पीआईसीयू सहित एसएनसीयू वार्डों का अवलोकन किया। यहां मरीजों ने बताया कि डॉक्टर केवल सुबह एक बार राउंड लेते हैं। इसके बाद वे अगले दिन सुबह तक नहीं दिखते। विधायक ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दे सर्वोपरि हैं। निरीक्षण दल ने इमरजेंसी वार्ड, बच्चा वार्ड, पुरुष और महिला वार्ड में भर्ती मरीजों की स्थिति देखी। अस्पताल प्रशासन को व्यवस्था में सुधार न होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

राज्य स्तरीय गौशाला सम्मेलन में रीवा से भी पहुंचे गौ सेवक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आपको बता के प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव दिन शुक्रवार को गौ सेवकों से अपने आवास में गौ पलकों एवं गौ सेवक को सम्बोधित किया साथ ही किसानों सहित कई नई गौशाला बनाने की भी बात कही आपको बता दे कि उन्होंने अपने संबोधन में रीवा जिला का नाम लेते हुए और नई गौशाला बनाने की बात कही।

वहीं सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र तिवारी द्वारा भी अपने जनपद गंगेव अंतर्गत ग्राम पंचायत बांस में पंचायत के विकास से संबंधित आवेदन दे कर माननीय मुख्यमंत्री जी को पत्र के माध्यम से अवगत कराया। साथ ही पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री लखन पटेल जी को भी आवेदन दे कर ग्राम पंचायत बांस में संचालित शासकीय गौशाला में मूलभूत सुविधाओं न होने को ले कर अवगत कराया।आपको बता दें, रीवा जिले से गौ सेवक राजेश पाण्डेय सहित गंगेव जनपद से रविकांत अग्निहोत्री सहित हिनौती सरपंच सचिव सहित रीवा जिले से 50 की संख्या में गौ सेवक भोपाल पहुंच कर कार्यक्रम में शामिल हुए।

सीखो कमाओ योजना में अन्य ईपीएफ संस्थान जोड़ें - अपर कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संभागीय आईटीआई रीवा के कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश और देश में तेजी से औद्योगिक विकास हो रहा है। औद्योगिक संस्थानों में कम्प्यूटर तथा अन्य आधुनिक मशीनों के संचालन के लिए प्रशिक्षित युवाओं की अच्छी मांग है। आईटीआई में युवाओं को कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ रोजगार का अवसर दें। सीखो कमाओ योजना का अन्य ईपीएफ संस्थानों में विस्तार करें। सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल तथा संजय गांधी हास्पिटल को भी सीखो कमाओ योजना में शामिल करें। जिला प्रबंधक खादी ग्रामोद्योग कम्प्यूटर प्रशिक्षण के 90 दिवसीय कोर्स के पात्र उम्मीदवारों का चयन करके उनका चिन्हित संस्थान से प्रशिक्षण शुरू कराएं।

बैठक में प्राचार्य आईटीआई एसएन मिश्रा ने बताया कि आईटीआई में 24 ट्रेडों में तकनीकी प्रशिक्षण के लिए युवाओं से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करके प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। आईटीआई में प्रशिक्षण के लिए 300 कम्प्यूटर की आईटी लैब उपलब्ध है। आईटीआई में प्रशिक्षण के बाद युवाओं को रोजगार का अवसर देने के लिए नियमित रूप से रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। महिलाओं के लिए भी कई प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित हैं। सीखो कमाओ योजना से अन्य संस्थानों को शीघ्र ही जोड़ा जाएगा। बैठक में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे, सहायक संचालक उद्यानिकी, सहायक संचालक खादी ग्रामोद्योग, उप संचालक कृषि यूपी बागरी उपस्थित रहे।तिवारी-फोटो क्रमांक 02 संलग्न है।

संभागीय आईटीआई में प्लेसमेंट ड्राइव 27 जून को: संभागीय आईटीआई रीवा में 27 जून को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम सुबह 10 बजे आरंभ होगा। इसमें निजी संस्था मेलॉन लेबोरेटरीज लिमिटेड पीथमपुर के लिए आईटीआई के वर्ष 2024 और 2025 के प्रशिक्षणार्थियों में से अप्रेंटिसशिप के चयन किया जाएगा। इस संबंध में प्राचार्य एसएन मिश्रा ने बताया कि प्लेसमेंट ड्राइव में फिटर, मशीनिस्ट, टर्नर, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन तथा मोटर मैकेनिक व्हीकल ट्रेड के प्रशिक्षणार्थियों को अवसर दिया जाएगा। इसके लिए आयु सीमा 18 से 25 वर्ष निर्धारित की गई है। अवसर का लाभ उठाने के लिए पात्र उम्मीदवार अपने शैक्षणिक दस्तावेज, आधार कार्ड तथा अन्य अभिलेखों एवं पासपोर्ट साइज की फोटो के साथ 27 जून को संभागीय आईटीआई में उपस्थित हो सकते हैं।

स्कूलों में कराया गया योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व तैयारी और प्रचार-प्रसार के क्रम में आयुष विभाग द्वारा रीवा शहर की इन्डियन एक्सिलेंस स्कूल में योगाभ्यास कराया गया। इसमें बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। बच्चों को योग क्रियायें तथा योग से शरीर को होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गयी। जिला आयुष अधिकारी डॉ. शारदा मिश्रा ने बताया कि एक पखवाड़े से लगातार जिले भर में योग के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जिसमें आसन और प्राणायाम के अभ्यास के साथ-साथ योग के वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक महत्व को भी बताया जा रहा है। योगाभ्यास कार्यक्रम में डॉ व्योमकेश शुक्ल, डॉ आशीष सिंह गौर, दानवती चतुर्वेदी और स्कूल संचालक संतोष तिवारी सहित विद्यालय के स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पूजा चतुर्वेदी ने किया चौथी बार रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना सिन्धु विकास समिति द्वारा लगातार चलाए जा रहे रक्तदान अभियान में सहयोग कररही समाजसेवी का पूजा चतुर्वेदी जी आयुष्मान में अस्पताल में भर्ती जरूरत मंद को अपने रक्त की सेवा देकर मानव धर्म निभाया। उल्लेखनीय है समिति संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी ने के कुशल मार्गदर्शन में पिछले कई वर्षों से रक्तदान जीवनदान की अलख ज्योति जलाकर इंसानियत का धर्म निभाते हुए मानवता की सेवा कर रही है एवं अभी तक 6630 यूनिट रक्तदान करवाने का एक रिकॉर्ड भी कायम किया है। रक्तदान करवाने मे डॉक्टर मनीषा सोई,मोना चोपड़ा,राखी होतचंदानी जी,का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अवसर पर डॉ. नेहा यादव विनोद गेलानी विनोद जयसवाल मनीष सदानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।

प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड को स्किल डेवलपमेंट कैटेगरी में 11वॉ ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया अवार्ड -2025 से नवाजा गया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड को कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत किए गए स्किल डेवलपमेंट के उत्कृष्ट कार्यों के लिए 11वॉ ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया अवार्ड - 2025 से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार डॉ. राजीव दुबे, सीएमडी (से.नि.) केनरा बैंक, राजेश सौंदराराजन, आईएएस, डेपुटी चेसरपर्सन, वी.ओ. चिदम्बरनर पोर्ट अथारिटी एवं कमलेश्वर शरण, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ग्रीनटेक फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड़ की ओर से देवेन्द्र मिश्रा एजीएम सीएसआर एंड पीआर एवं प्रकाश पाण्डेय एक्जक्यूटिव सीएसआर ने होटेल रेडिसन ब्लू दिल्ली में आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में प्राप्त किया। इस भव्य पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन ग्रीनटेक फाउंडेशन द्वारा किया गया था। यह पुरस्कार कंपनी द्वारा सीएसआर अंतर्गत स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास) एवं महिला सशक्तिकरण के किए गए कार्यों एव शिक्षा और अन्य सामाजिक कल्याणकारी कार्यों में किए गए महत्वपूर्ण योगदान एवं समाज-सेवा की प्रतिबद्धता और सतत विकास के प्रयासों कों मान्यता देने हेतु प्रदान किया गया।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने पर कंपनी के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ राकेश जैन, प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड मनीष सिंह, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स मनीष कुमार सिन्हा एवं अन्य वरिष्ट अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुये कहा कि प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड समाज के विकास के लिए लंबे समय से समर्पित है। कंपनी ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के अवसर बढ़ाने, स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा विभिन्न सामाजिक योजनाओं को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विचार

बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत, शरणार्थी का दर्द

तिब्बत हमेशा अपनी आजादी के लिए लगभग 70सालों से चीन के चंगुल से अपने आप को छुड़ाने की गुहार विश्व पटल पर लगा रहा हैदुनिया में आज कोई ऐसा देश खोजना मुश्किल है, जिस पर इतिहास के किसी दौर में किसी विदेशी ताक़त का प्रभाव या अधिपत्य न रहा हो। तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाज़ी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है। हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत 12 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ और अशांति से भरा एक कटा हुआ इलाका है। इसका इतिहास कई तरह के झटकों और परेशानियों से भरा हुआ है। 1013 ई0 में नेपाल से धर्मपाल तथा अन्य बौद्ध विद्वान् तिब्बत गए। 1042 ई0 में दीपंकर श्रीज्ञान अतिशा तिब्बत पहुँचे और बौद्ध धर्म का प्रचार किया। शाक्यवंशियों का शासनकाल 1207 ई0 में प्रांरभ हुआ। मंगोलों का अंत 1720 ई0 में चीन के माँछु प्रशासन द्वारा हुआ। तत्कालीन साम्राज्यवादी अंग्रेंजों ने, जो दक्षिण पूर्व एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करते जा रहे थे, यहाँ भी अपनी सत्ता स्थापित करनी चाही, पर 1788-1792 ई0 के गुरखों के युद्ध के कारण उनके पैर यहाँ नहीं जम सके। परिणाम स्वरूप 19 वीं शताब्दी तक तिब्बत ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थिर रखी यद्यपि इसी बीच लद्दाख़ पर कश्मीर के शासक ने तथा सिक्किम पर अंग्रेंजों ने आधिपत्य जमा लिया। अंग्रेंजों ने अपनी व्यापारिक चौकियों की स्थापना के लिये कई असफल प्रयत्न किया। इतिहास के मुताबिक तिब्बत को दक्षिण में नेपाल से भी कई बार युद्ध करना पड़ा और नेपाल ने इसको हराया। नेपाल और तिब्बत की सन्धि के मुताबिक तिब्बत को हर साल नेपाल को 5000 नेपाली रुपये हरज़ाना भरना पड़ा। इससे आजित होकर नेपाल से युद्ध करने के लिये चीन से मदद माँगी चीन के मदद से उसने नेपाल से छुटकारा तो पा लिया लेकिन इसके बाद 1906-07 ई0 में तिब्बत पर चीन ने अपना अधिकार कर लिया और याटुंग ग्याड्से एवं गरटोक में अपनी चौकियाँ स्थापित की। 1912 ई0 में चीन से मांछु शासन अंत होने के साथ तिब्बत ने अपने को पुन: स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया। सन् 1913-14 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की बैठक शिमला में हुई जिसमें इस विशाल पठारी राज्य को भी भागों में विभाजित कर दिया गया। 23 मई, 1951 को तिब्बत ने चीन के इस विवादित समझौते पर साइन किए थे। 13वीं शातब्दी में तिब्बत, मंगोल साम्राज्य का हिस्सा था और जीत के बाद से इसे हमेशा स्वायत्तता हासिल रही। इस सरकार की विस्तारवादी नीतियों के चलते 1950 में चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। करीब 8 महीनों तक तिब्बत पर चीन का कब्जा चलता रहा। आखिरकार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 17 बिंदुओं वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन मुख्यत: बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत सुदूर इलाके को संसार की छत के नाम से भी जाना जाता है। चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है।चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है

धर्म का एक दशक: मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

गजेन्द्र सिंह शेखावत

जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ। सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्री राम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलधि नहीं थी। यह सयता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यह मंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था, यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था।

कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था - यह एक शक्तिशाली घोषणा थी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था।

इतना ही नहीं, इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया। यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी। 2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है, बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है।

आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया। इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप से, सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्ताद एवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं और शिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए। भारत की ऐतिहासिकों इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था, बल्कि एक गाथा को पुन: प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेल लंबे समय से ओझल हो रहे थे। उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओर बदलाव का भी प्रतीक था।

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ता की तुलना में शायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दर्शाती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह का नगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत-चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ-साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले, तो भारत ने न केवल भूगोल, बल्कि इतिहास और न केवल प्रोटोकॉल, बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था। यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर पर पट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए, जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए।

2023 में जी-20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकर, यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तक, भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराई, बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगों, व्यंजनों, शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था। संदेश स्पष्ट था- भारत भूतकाल की सभ्यता नहीं है - यह जीवंत, सशक्त और आत्मविश्वास से परिपूर्ण वैश्विक सभ्यता है।

इन वर्षों के दौरान, 600 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियां विदेशी संग्रहालयों और संग्रहकर्ताओं से वापस लाई गईं, जिनमें मूर्तियां, शिलालेख और पांडुलिपियां शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की वापसी न केवल कला की बल्कि सम्मान की बहाली थी। इसी तरह, गुरु गोविंद सिंह के वीर शहजादों की शहादत को याद करने के लिए वीर बाल दिवस की स्थापना की गई, जबकि जनजातीय गौरव दिवस ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय केन्द्र में लाया।

महामारी भी सांस्कृतिक लौ को मद्धिम नहीं कर पाई। वर्चुअल कॉन्सर्ट, डिजिटल म्यूजियम टूर और मन की बात के माध्यम से, प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि कला, कहानियां और सांस्कृतिक गौरव लॉकडाउन के एकांत में भी पुष्पित-पल्लवित होते रहें।

विकास भी, विरासत भी के नारे जैसे अभियान में ये सभी समाहित हो गए। यह एक आह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव के साथ-साथ चलने पर जोर देता है। मोदी सरकार के तहत, यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि, जिसमें जीडीपी वृद्धि, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा आधुनिकीकरण, मंदिर जीर्णोद्धार, आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे।

भारत आज अपनी पहचान के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावें और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद प्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास में, संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है, बल्कि धुरी है।

इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है, बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था, वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता था, वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं।

राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे, लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है। भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा, जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फ एक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैं, बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं।

राहुल गांधी के मिशन बिहार को बड़ा झटका- अब कांग्रेस क्या करेगी?

संतोष कुमार पाठक

कांग्रेस पार्टी को देशभर में मजबूत बनाने के अभियान में जुटे राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं। वर्ष 2025 में वह अब तक कुल मिलाकर पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। अपने इन दौरे के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के दलित मतदाताओं, अन्य पिछड़ी जाति के लोगों और अत्यंत पिछड़ी जाति के लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के साथ संवाद कर,उन्हें साधने की कोशिश की। पार्टी संगठन को धार और नई रफ्तार देने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों तक को बदल दिया।

जाहिर तौर पर, राहुल गांधी अपनी इन तमाम कोशिशों के जरिए बिहार में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति पर ही काम कर रहे थे। इसका एक मकसद और भी था कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) में ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल कर सकें।

लेकिन राहुल गांधी के इस %मिशन बिहार% को उनके अपने ही सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल ने बड़ा झटका दे दिया है। लालू यादव के फॉर्मूले ने कांग्रेस पार्टी को बेचैन कर दिया है। कांग्रेस 2020 की तरह इस बार भी 70 विधानसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन राजद ने इतनी सीटें देने से साफ-साफ इनकार कर दिया है। यानी अब यह तय हो गया है कि विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस को इस बार 2020 की तरह 70 सीटें नहीं मिलेगी। गठबंधन और सीटों को लेकर होने वाली बैठकों की अध्यक्षता भले ही तेजस्वी यादव कर रहे हो लेकिन पर्दे के पीछे से सब कुछ लालू यादव ही तय कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजद ने यह साफ कर दिया है कि राजनीतिक दलों की संख्या और क्षमता के आधार पर गठबंधन में कांग्रेस को लगभग 53 सीटें ही मिल सकती है।

बिहार में वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के सबसे बड़े दल के तौर पर राजद 144 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जबकि कांग्रेस के खाते में 70 सीटें आई थी।

सीपीआई-माले 19, सीपीआई 6 और सीपीएम 4 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने वाले मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी भी इस बार विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है। एक तरफ जहां मुकेश सहनी की पार्टी को सीट बंटवारे में एडजस्ट करने की चुनौती है वहीं लेफ्ट फ्रंट के दल खासकर सीपीआई-माले सीट बढ़ाने की मांग को लेकर अड़ गया है। ऐसे में लालू यादव भी अपनी पार्टी के कोटे को घटाने पर तैयार हो गए हैं। लेकिन वो किसी भी कीमत पर 140 से कम पर जाने को तैयार नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक, तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के सामने जो पहला फॉर्मूला रखा है उसके तहत आरजेडी 144 की बजाय 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पिछली बार की तरह ही इस बार भी सीपीआई को 6 और सीपीएम को 4 सीटें ही दी जाएगी। लेकिन सीपीआई-माले को 6 सीटें बढ़ाकर 25 सीटें दी जा सकती है। मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी को 15 सीटों पर लड़ाया जाएगा। वहीं पिछली बार 70 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को इस बार 53 सीटों के आसपास ही संतोष करना पड़ेगा। इस फॉर्मूले में 2-3 सीटों का हेरफेर किया जा सकता है।

लेकिन अगर आने वाले दिनों में पशुपति पारस, असदुद्दीन ओवैसी, हेमंत सोरेन और अखिलेश यादव को भी बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गठबंधन में शामिल किया गया तो फिर सभी दलों को त्याग करना पड़ेगा। ऐसे हालात में, कांग्रेस के हाथ में सिर्फ 45-46 सीटें ही आ पाएंगी। यानी लालू यादव के पहले फॉर्मूले के तहत कांग्रेस को 53-55 और दूसरे फॉर्मूले के तहत सिर्फ 45-46 सीटें ही मिल सकती है।

आपको याद दिला दें कि, वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान राजद मुखिया लालू यादव जेल में थे। यह आरोप लगाया जाता है कि लालू यादव के जेल में रहने का फायदा उठाते हुए कांग्रेस ने तेजस्वी यादव पर दबाव डालकर गठबंधन में 70 सीटें झटक ली। लेकिन 70 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सिर्फ 19 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई। लालू यादव और तेजस्वी यादव सहित विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं का यह मानना है कि कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के कारण ही बिहार में नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हो गए थे।

लालू यादव 2020 के विधानसभा चुनाव के समय पर जेल में थे लेकिन इस बार बाहर है और सीट बंटवारे के अपने फॉर्मूले पर अडिग है।

राजद के इस फॉर्मूले ने कांग्रेस नेताओं को दुविधा की स्थिति में डाल दिया है। अब गेंद राहुल गांधी के पाले में है कि वह इतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो जाएं या सीधे लालू यादव से बात करके कांग्रेस के कोटे की सीटों की संख्या को बढ़ाने का प्रयास करें। हालांकि बिहार में कांग्रेस के कई नेता दबी जुबान में एक तीसरे विकल्प की बात भी कर रहे हैं। तीसरा विकल्प यानी राहुल गांधी बिहार में अन्य छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर तीसरा मोर्चा बनाए और बड़े भाई की भूमिका में चुनाव लड़ जाएं।

विशेष पिछड़ी जनजाति की दो छात्राओं का प्रयास विद्यालय में चयन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड भरतपुर के मा.शा.देवगढ़ की दो होनहार छात्राएं कु. काजल बैगा एवं कु. शशिकला बैगा ने प्रयास विद्यालय हेतु आयोजित चयन परीक्षा में उत्तीर्ण होकर मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है। इन दोनों छात्राओं का चयन प्रतिष्ठित प्रयास विद्यालय में हुआ है। विशेष पिछड़ी जनजाति से संबंधित इन बच्चियों ने कठिन परिश्रम और लगन से न सिर्फ अपने परिवार का, बल्कि पूरे ग्राम देवगढ़, विकासखंड भरतपुर और जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों और विद्यालय परिवार ने कु. काजल बैगा एवं कु. शशिकला बैगा को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निभाया वादा, ग्रामीण विद्यालयों में की गई शिक्षकों की पदस्थापना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार के अवसर पर अचानक भरतपुर विकासखंड के ग्राम कुँवारपुर के माथमौर में अपना उड़न खटोला उतारकर ग्रामीणों को चौंका दिया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में उत्साह की लहर दौड़ गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामवासी एकत्र हो गए और अपने लोकप्रिय मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से प्राथमिक शाला तोजी, छपराटोला, दर्रीटोला और शिवटोला में एकल शिक्षक के रूप में संचालित हो रही शिक्षण व्यवस्था की जानकारी दी और शिक्षकों की मांग की थी। मुख्यमंत्री साय ने मौके पर ही आश्वासन दिया था कि विद्यालय खुलते ही शिक्षकों की पदस्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार शासन द्वारा शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करते हुए उन विद्यालयों को प्राथमिकता दी गई, जहां शिक्षक विहीन या एकल शिक्षक की स्थिति थी। इसी क्रम में प्राथमिक शाला तोजी, छपराटोला, शिवटोला और दर्रीटोला में शिक्षकों की पदस्थापना कर दी गई है, जिससे मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से किया अपना वादा निभा दिया है। यह कदम ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस सकारात्मक पहल से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है। ग्राम पंचायत तोजी के उप सरपंच हीरालाल यादव सहित ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ, अंतिम तिथि 25 जून तक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, नवा रायपुर अटल नगर छ.ग. के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2025-2026 में प्रवेश के लिये ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 16 जून से शुरू हो गई है। इच्छुक अभ्यार्थी 25 जून 2025 रात 11.59 बजे तक आवेदन कर सकते है। आवेदन केवल वेबसाईट cgiti.asmissions.nic.in के माध्यम से ही किया जायेगा। विस्तृत जानकारी के लिये जिले में संचालित आई0टी0आई0 जनकपुर, मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, खड़गंवा या निकटतम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के सूचनापटल का अवलोकन कर सकते है। संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण, नवा रायपुर अटल नगर छ.ग. द्वारा यह प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाईन रखी गई है। प्रवेश से संबंधित सभी दिशा निर्देश और नियम वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका में दिये गये है। अभ्यार्थियों को सलाह दी गई है कि आवेदन करने से पहले विवरणिका को ध्यानपूर्वक पढ़े ताकि किसी प्रकार की गलती न हो। प्रवेश से संबंधित आवश्यक जानकारी या सहायता के लिये आवेदक निकटतम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में संपर्क कर मार्गदर्शन ले सकते है।

सामान्य सभा की बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति और भविष्य की रणनीति पर की गई चर्चा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के अमृत सदन सभाकक्ष में आज एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ, जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह और उपाध्यक्ष राजेश साहू सहित जिले के सभी जिला पंचायत सदस्यों एवं विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और उनके क्रियान्वयन के लिए ठोस रणनीति तैयार करना था। इस क्रम में सभी विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने संबंधित विभागों में चल रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

इस बैठक में सबसे पहले वन विभाग के एसडीओ ऋषभ जैन ने बताया कि इस वर्ष जिले में व्यापक पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना के तहत किसानों की निजी भूमि पर वाणिज्यिक पौधारोपण किया जाएगा, जिससे उन्हें आय का एक नया स्रोत प्राप्त होगा। CAMPA, सामाजिक वानिकी और धरती आबा अभियान के माध्यम से हरियाली के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग सत्र के बाद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, छात्र-छात्राओं और अधिकारियों ने भाग लेकर हरियाली और स्वास्थ्य के प्रति संकल्प लिया। वहीं स्वास्थ्य विभाग के सीएमओ अविनाश खरे ने बताया कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए 20 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। आयुष्मान भारत और डॉ. खूबचंद बघेल योजना के माध्यम से हजारों मरीजों को निशुल्क इलाज मिला है। दाई-दीदी क्लिनिक और हाट-बाजार क्लिनिक जैसी पहलों से ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। जननी सुरक्षा, मिशन इंद्रधनुष, बाल श्रवण योजना और RBSK जैसे कार्यक्रमों से माताओं और बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग के अधिकारी ओमकार सिंह ने जल जीवन मिशन की प्रगति के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिले के प्रत्येक गांव में नल कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं और दिसंबर 2025 तक शत-प्रतिशत कवरेज का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही उन्होंने अन्य विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही क्रेड़ा विभाग के खेमसिंह साहू ने बताया कि जिले में सौर सुजला योजना के तहत किसानों को सोलर पंप प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे सिंचाई सुविधा में सुधार हुआ है। सोलर स्ट्रीट लाइट, सोलर रूफटॉप और विद्युतविहीन ग्राम विद्युतीकरण जैसी योजनाओं से जिले में स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग के अधिकारी आर.के सिन्हा ने मुख्यमंत्री असहाय योजना, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने के प्रयासों के बारे में बताया। वहीं श्रम विभाग के अधिकारी विनय सिंह ठाकुर ने निर्माण श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, विवाह और पेंशन जैसी सहायता योजनाओं की जानकारी दी। वहीं जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग के अधिकारी अंजू नायक ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (PMFME) और 'एक जिला एक उत्पाद' (ODOP) जैसी पहलों के तहत ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ने के प्रयासों के बारे में बताया। वहीं नरेगा और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के अधिकारियों ने ग्रामीणों को रोजगार प्रदान करने और महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को मजबूत बनाने की जानकारी दी। इस बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी के साथ हुई बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को नोटिस जारी करने का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन को और प्रभावी बनाने के लिए कई अन्य प्रस्ताव भी पारित किए गए। इस बैठक में रामनरेश पटेल सांसद प्रतिनिधि के साथ जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनीता चौधरी, श्रीमती सुखवंती सिंह, श्रीमती बेलाकुंवर, श्रीमती अनीता सिंह, उजित नारायण सिंह, रामजीत लकड़ा, श्रीमती ममता सिंह, श्रीमती प्रिया के साथ-साथ समस्त विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक सांसद जनार्दन मिश्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि हितग्राहीमूलक योजनाओं का नियत समय पर ऋण स्वीकृत करते हुए उनका वितरण सुनिश्चित किया जाए। बैंकर्स व विभागीय अधिकारी समन्वय के साथ केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाएं।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित डीएलसीसी की बैठक में सीडी रेशियो में कम प्रगति होने पर इंडियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया तथा यूको बैंक के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को लेख किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अनुपस्थित बैंकर्स व विभागीय अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर वार्षिक क्रेडिट प्लान को बेहतर बनाने तथा अधिक से अधिक केसीसी वितरित किए जाने की बात बैंकर्स से कही गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने बैठक में निर्देश दिए कि बैंकों में प्रस्तुत प्रकरणों को लंबित न रखें। स्वसहायता समूहों को ऋण देते हुए डेयरी उत्पाद के लिए क्लस्टरवार एसएचजी को ऋण स्वीकृति में प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं के जो लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं उन्हें नियत समय पर पूर्ण कराएं ताकि आगामी त्रैमास में उल्लेखनीय प्रगति हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि डीएलसीसी की बैठक में जिम्मेदार विभाग प्रमुख व बैंकर्स अनिवार्यतः उपस्थित रहें। इस अवसर पर नाबार्ड अंतर्गत बनाए जाने वाले प्रोटेन्सिव लिंक्ड क्रेडिट प्लान के लिए विभागीय अधिकारियों से डाटा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि रामनागर, एलडीएम जगमोहन, डीडीएम नाबार्ड सरोज जेना सहित बैंकर्स व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तहत जिला स्तरीय जागरूकता अभियान हुई संपन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ के अमृत सदन सभाकक्ष में "धरती आबा जनभागीदारी अभियान" ष् के अंतर्गत 15 दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह, उपाध्यक्ष राजेश साहू, सभी जिला पंचायत सदस्य गण तथा जिले के प्रमुख आदिवासी समाज प्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य जनजातीय समुदाय के अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और उनके विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। नोडल अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान" के तहत जिले में 17 जून से 30 जून 2025 तक ग्राम स्तरीय विशेष विकास शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

ये शिविर जिले के तीनों विकासखंड मनेन्द्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर के कुल 151 चिन्हित जनजातीय ग्रामों में क्लस्टर आधारित पद्धति से आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य जनजातीय समुदाय को केंद्र एवं राज्य सरकार की 25 प्रमुख योजनाओं से सीधे जोड़ना है। शिविरों में आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान भारत योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री जनधन योजना, वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांगजन पेंशन, नरेगा जॉब कार्ड, पीएम विश्वकर्मा योजना, मुद्रा लोन, मातृ व शिशु स्वास्थ्य सेवाएं सहित अन्य जरूरी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा पात्र व्यक्तियों को तत्काल लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। ये शिविर न केवल सेवा वितरण का माध्यम बन रहे हैं, बल्कि जनजागरूकता और समावेशी विकास की दृष्टि से एक सशक्त मंच भी बन रहे हैं। इस अभियान का लक्ष्य शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी सेवाओं और आजीविका के क्षेत्र में आदिवासी समुदाय को मजबूत बनाना है, जिससे वे आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त रूप से आगे बढ़ सकें। जिला प्रशासन द्वारा इस अभियान की सतत निगरानी की जा रही है, ताकि योजनाओं का पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। विभागीय अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और फील्ड कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान जनमानस में विश्वास और उत्साह का वातावरण बना रहा है। ग्रामीणों के बीच इस अभियान को लेकर गहरी रुचि और जागरूकता देखने को मिल रही है।

इसी अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी जिला पंचायत सदस्यगण एवं प्रमुख आदिवासी सामाजिक कार्यकर्ताओं ने धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत प्रचार-प्रसार के लिए तैयार किए गए 15 दिवसीय धरती आबा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो जिले के समस्त ग्राम पंचायतों और विकासखंडों में भ्रमण कर लोगों को योजनाओं की जानकारी देगा और उन्हें जोड़ने का कार्य करेगा। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि रामनरेश पटेल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अनीता चौधरी, श्रीमती सुखवंती सिंह, श्रीमती बेलाकुंवर, श्रीमती अनीता सिंह, उजित नारायण सिंह, रामजीत लकड़ा, श्रीमती ममता सिंह, श्रीमती प्रिया, जनजातीय गौरव समिति के अध्यक्ष परमेश्वर सिंह, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष शरण सिंह, बैगा समाज के जिला प्रमुख राम प्रसाद बैगा सहित जिले के समस्त विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रीवा/सतना की खबरें

जिले में मानसून ने दी दस्तक, 20 जून को 15.9 मिमी हुई वर्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में मानसून ने दस्तक दे दी है। पिछले तीन दिनों से जिले के कई स्थानों में वर्षा हो रही है। जिले में 20 जून को 15.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। जिले में सर्वाधिक 35 मिलीमीटर वर्षा सिरमौर तहसील में दर्ज की गयी। इस दिन तहसील हुजूर में 17 मिमी, सेमरिया में 30 मिमी, मनगवां में 15 मिमी तथा जवा में 30 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 42.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 69.9 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 43.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 48 मिलीमीटर, सिरमौर में 76.6 मिलीमीटर, त्योंथर में 5 मिलीमीटर, सेमरिया में 56 मिलीमीटर, मनगवां में 27 मिलीमीटर तथा जवा में 44 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 5.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

कलेक्ट्रेट में स्वस्थ लीवर मिशन के शिविर में 314 की हुई जाँच

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वस्थ लीवर मिशन के तहत जिले भर में 15 जून से 30 जून तक निःशुल्क जाँच शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में मुख्य रूप से फैटी लीवर, ब्लड शुगर, एनीमिया तथा अन्य जाँचे की जा रही हैं। अभियान के तहत कलेक्ट्रेट रीवा में लगाए गए शिविर में 314 व्यक्तियों की निःशुल्क जाँच की गई। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने शिविर का निरीक्षण करते हुए कहा कि जाँच कराने वाले व्यक्तियों को जाँच रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराएं। रिपोर्ट में यदि किसी तरह की उपचार की आवश्यकता है तो उसकी भी सुविधा दें। यदि कोई व्यक्ति गंभीर रूप से पीड़ित पाया जाता है तो जिला चिकित्सालय अथवा संजय गांधी हास्पिटल में भर्ती कराकर उसका समुचित उपचार कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वस्थ लीवर मिशन के तहत लगाए जा रहे शिविरों की रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करें। निरीक्षण के समय जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ केबी गौतम तथा कलेक्ट्रेट कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं मेडिकल टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रो. उमा परौहा टेबल टेनिस स्पर्धा आज से

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग का टेबल टेनिस की प्रतिष्ठित स्पर्धा दो दिवसीय 21 एवं 22 जून को स्थानीय मेडीकल कालेज रीवा में होगी, जिसका उद्घाटन 21 जून को 10:00 बजे प्रातः होगा। इसके मुख्य अतिथि अवधेश प्रताप सिंह विश्व विद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के डायरेक्टर डॉ0 रामभूषण मिश्रा होगे। विशिष्ठ अतिथि खेल युवक कल्याण विभाग के अधिकारी एम0के0 धौलपुरे एवं फुटबाल के राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहनलाल शुक्ल होगे। उपरोक्त जानकारी देते हुए स्पर्धा संयोजक असद खान एवं सचिव डॉ0 विनोद तिवारी ने बताया है कि इस स्पर्धा में 10 वर्ष से लेकर 60 वर्ष तक के बालक-बालिका, महिला, पुरूष खिलाड़ी भाग लेगे। इसमें रीवा, शहडोल संभाग के अलावा पन्ना, छतरपुर, दमोह, सतना आदि जगहो के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

बघेली भाषा के उत्थान के लिये बेधड़क की रचनाये कालजयी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य क्षेत्र के जानेमाने कालजयी रचनाओं के रचयिता देवेन्द्र पाण्डेय बेधड़क के आकस्मिक निधन पर विंध्य काव्य-साहित्य परिषद ''कलम परिवार'' ने गहरा शोक जताने के साथ अपनी श्रद्धांजली प्रेषित की है। कलम परिवार के वरिष्ठ सदस्य स्व0 बेधड़क ने ताउम्र बघेली भाषा के उत्थान के लिये अपनी रचनाओ के माध्यम से कलम के जौहर दिखाये। कविसम्मेलनों एवं काव्य गोष्ठियों में उनकी उपस्थिति से ही मंच समृद्ध माना जाता था। यह भावभीने उ–ार कलम परिवार के संस्थापक नारायण डिगवानी ने व्यक्त किये है। कलम परिवार के अध्यक्ष नागेन्द्र मिश्रा ''मणी'' ने अपने वरिष्ठ सदस्य बेधड़क जी को याद करते हुये कहा कि ऐसे रचनाकारो को उनकी रचनायें मृत्योपरांत भी जिन्दा रखती हैं। कार्यकारी अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह ने अपनी श्रद्धांजली देते हुये बताया कि उनका बेधड़क जी से आत्मिक संबंध रहा और उनकी रचनापाठ की प्रतिभा सदैव उनको नये लेखन के लिये प्रेरित करती रही। उपाध्यक्ष डॉ0 गीता शुक्ला 'गीत' ने बेधड़क जी का बघेली भाषा के उत्थान के लिये अग्रणी योद्धा बताया। साथ ही इंदिरा अग्निहोत्री, अनुराधा पाण्डेय, डॉ0 सुनीता पाण्डेय, स्नेहा त्रिपाठी ने भी शोक व्यक्त किया है। कलम परिवार के संरक्षक डॉ0 प्रणय, डॉ0 रश्मी शुक्ला, डॉ0 बृजेन्द्र वैद्यय, बी.के.प्रकाश, डॉ0 राम सरोज द्विवेदी 'शान्तिदूत' कमल किशोर मिश्रा कमल, चन्द्रिका प्रसाद चन्द्र ने स्व0 बेधड़क की उनकी कालजयी रचनाओं को बघेली भाषा बोली उत्थान के लिये मील का पत्थर बताया। महासचिव रामकृष्ण द्विवेदी, अमित द्विवेदी, अरूणा पाठक ने बेधड़क जी के निधन को अपूर्णनीय क्षति बताया। कलम परिवार के साथ हिन्दू धर्मपरिषद के सुमित माँजवानी, डी.पी.सिंह परिहार, डॉ0 सी0बी0शुक्ला, डॉ0 के0के0 परौहा, डॉ0 ज्योति सिंह, डॉ0 राहुल मिश्रा,शिवेन्द्र मिश्रा एड0, पप्पू कनौजिया, डॉ0 प्रवीर चंद दुबे, उमेश कुशवाहा, डॉ0 विनोद तिवारी, विजय मोहन तिवारी, अवधेश श्रीवास्तव, डॉ0 विकास श्रीवास्तव, विकास सेन, आर्यन आदि ने भी श्रद्धांजली व्यक्त करते हुये स्व0 बेधड़क जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का नमन किया।

एअर इंडिया की आज 9 फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। एअर इंडिया ने शुक्रवार को 9 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं। इनमें 4 इंटरनेशनल और 5 डोमेस्टिक हैं। एअर इंडिया ने बताया कि एयरपोर्ट पर मेंटेनेंस और ऑपरेशनल वजहों से इन उड़ानों को रद्द किया गया है। डोमेस्टिक फ्लाइट्स में पुणे से दिल्ली जा रही फ्लाइट एआई874, अहमदाबाद से दिल्ली की फ्लाइट एआई456, हैदराबाद से मुंबई की फ्लाइट ए 2872 और चेन्नई से मुंबई की फ्लाइट ए 571 कैंसिल हुई हैं। वहीं, इंटरनेशनल फ्लाइट्स में दुबई से चेन्नई आ रही फ्लाइट एआई 906, दिल्ली से मेलबर्न जा रही फ्लाइट ए308, मेलबर्न से दिल्ली आ रही फ्लाइट एआई 309 और दुबई से हैदराबाद आ रही फ्लाइट एआई 2204 शामिल हैं। वहीं, दिल्ली से पुणे जा रही फ्लाइट से पक्षी टकराया गया, जिसके चलते विमान की रिटर्न जर्नी कैंसिल कर दी गई है। इस तरह अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद 9 दिन में अलग-अलग वजह से अब तक 84 उड़ानें रद्द की गई हैं। 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे में 270 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से हर एयरपोर्ट पर विमानों की ऑपरेशनल चेकिंग को सख्त कर दिया गया है।

महाराष्ट्र में भारी बारिश, नासिक में घरों-दुकानों में पानी भरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश,उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में एंट्री कर ली। यूपी में भी मानसून और आगे बढ़ा है। भारी बारिश के चलते गुजरात के अहमदाबाद, वापी और राजकोट में सड़क, घरों और दुकानों में पानी भर गया। सावरकुंडला, राजुला में स्थानीय नदियां उफान पर आ गई हैं। अमरेली में भारी बारिश से नदियों का पानी खेतों में जा घुसा। इससे फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। महाराष्ट्र के नासिक में भारी बारिश से गोदावरी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इससे नदी किनारे के निचले इलाकों के घर-दुकानों में पानी घुस गया। मध्यप्रदेश के श्योपुर में खिरखिरी नदी उफान पर आ गई, जिससे करीब 20 गांवों का संपर्क टूट गया। बिहार के गयाजी में बारिश के बाद फल्गु नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इससे 20 लोग फंस गए। स्थानीय ग्रामीणों ने 18 लोगों का रेस्क्यू किया। 2 की मौत हो गई। छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से सरगुजा के मैनी नदी में अचानक आई बाढ़ में मां-बेटे समेत चार लोग बह गए। मौसम विभाग ने आज पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और मध्य महाराष्ट्र, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

ब्लैक बॉक्स विदेश भेजे जाने पर अभी कोई फैसला नहीं

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया विमान का ब्लैक बॉक्स जांच के लिए अभी विदेश नहीं भेजा गया है। केंद्र सरकार ने इसको लेकर बयान जारी किया है। केंद्र ने गुरुवार को कहा कि प्लेन के ब्लैक बॉक्स को कहां भेजा जाएगा, इसका फैसला एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो करेगा।

मुयमंत्री निवास पर हुआ राज्य स्तरीय गौशाला समेलन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को देश की डेयरी केपिटल बनाएंगे। पशुपालन एवं डेयरी विभाग का नाम पशुपालन, डेयरी और गौपालन विभाग होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास परिसर में राज्य स्तरीय गौशाला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में प्रदेश भर से आए गौ-पालकों और गौ-शाला संचालकों ने उत्साह से भागीदारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौ-शालाओं को 90 करोड़ रुपए की अनुदान राशि अंतरित सिंगल क्लिक से की। इस अवसर पर भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तीन हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप ऋण स्वीकृति आदेश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को देश की दुग्ध राजधानी बनाना है, राज्य शासन द्वारा इसके लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। पूरा प्रदेश वनों से आच्छादित है। वर्ष 2002-03 तक पशुपालन विभाग का बजट सिर्फ 300 करोड़ था, जो बढ़कर अब 2600 करोड़ हो गया है। किसी समय प्रदेश में फैट मात्रा के अनुसार दूध खरीदने की व्यवस्था लागू की गई थी। राज्य सरकार ने अमृत समान गौ-माता का दूध खरीदने का निर्णय लिया है, ताकि गौ-पालकों तक लाभ पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गाय का दूध सम्पूर्ण आहार है। राज्य में हाईटैक गौशालाएं संचालित हो रही हैं। सरकार का अर्थ ही यह है कि गरीबों के जीवन से कष्टों का नाश हो और सुख का मार्ग प्रशस्त हो। राज्य सरकार ने गौशाला संचालन के लिए

अनुदान राशि 20 रुपए से बढ़कर 40 रुपए प्रति गाय प्रतिदिन की गई है। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से अनुबंध किया है। प्रदेश का दूध उत्पादन पांच गुना करने का लक्ष्य है। वर्तमान में प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ लीटर दूध उत्पादित होता है और इसमें से लगभग आधा घरेलू उपयोग और शेष मार्केट तक पहुंचता है। फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर प्रदेश में दुग्ध से समृद्धि के लिए नई योजनाएं बना रहे हैं। दुग्ध उत्पादन और संकलन के कार्य को व्यवस्थित बनाने के लिए समितियों की संख्या भी 9 हजार से बढ़कर 26 हजार करने का संकल्प है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पशुपालन विभाग का नाम बदल कर अब इसे पशुपालन के साथ गोपालन विभाग भी कहा जाएगा। गौ- माता को सम्मान देते हुए इस विभाग के माध्यम से कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जाएंगी। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में गाय के पालन के लिए अनुदान दिया जा रहा है। गाय के गोबर से किसान खाद बनाएं, सरकार प्राकृतिक खाद से उत्पादित अनाज का ज्यादा भाव देगी। वर्तमान में इंदौर, देवास, रीवा एवं कुछ अन्य जिलों में गौ-शालाओं के माध्यम से सीएनजी गैस का उत्पादन किया जा रहा है।

देश में 24 घंटे में कोरोना से 4 मौतें

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना से 4 मौतें हुई हैं। दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र और पंजाब में एक-एक मरीज ने जान गंवाई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जनवरी 2025 में अब तक नए वैरिएंट से 120 की मौत हुई है। देशभर में कोरोना के 5608 एक्टिव केस हैं। गुरुवार को 64 नए केस सामने आए हैं। वहीं 368 मरीज रिकवर हुए हैं। बीते एक हफ्ते से हर दिन कोरोना के 100 से कम नए केस दर्ज हो रहे हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1184 एक्टिव मामले हैं।

पीएम बोले- ओडिशा में डबल इंजन सरकार से डबल बेनिफिट

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को भुवनेश्वर में कहा कि ओडिशा में डबल इंजन सरकार से लोगों को डबल बेनिफिट मिल रहा है। आज के दिन ओडिशा में भाजपा सरकार एक साल पूरे कर लिए हैं। यह सिर्फ सरकार की एनिवर्सिरी नही है। यह एक स्थापित सरकार की एनिवर्सिरी है। गुडगवर्नेंस की एनिवर्सिरी है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक ओडिशा के लाखों गरीब परिवार आयुष्मान योजना से बाहर थे। आज

आयुष्मान भारत और गोप बंधु जन आरोग्य योजना, दोनों इंजिन यहां चल रहे हैं। इससे ओडिशा के करीब 3 करोड़ लोगों को मुफ्त इलाज का लाभ मिलना तय हुआ है। देश के दूसरे राज्यों में भी यहां से कोई काम करने गया है तो वहां भी जरूरत पड़ने पर उसे मुफ्त इलाज मिलना शुरू हुआ है।इससे पहले पीएम ने ओडिशा में भाजपा सरकार के एक साल पूरा होने पर 2036 तक विकसित ओडिशा और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए विजन डॉक्यूमेंट्स जारी किया। इससे पहले उन्होंने एयरपोर्ट से जनता मैदान तक रोड शो किया। पहले ओडिशा के किसानों को किसान सम्मान निधि का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था।

राजनाथ सिंह एससीओ की मीटिंग में हिस्सा लेने चीन जाएंगे

नई दिल्ली/बीजिंग (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 25 से 27 जून तक चीन के किंगदाओ शहर में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी शामिल होंगे। यह किसी भी भारतीय मंत्री का 7 साल बाद चीन का दौरा होगा। इससे पहले अप्रैल 2018 में उस समय की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज गई थीं। यह दौरा ऐसे वक्त में हो रहा है जब भारत और चीन के बीच रिश्ते सामान्य करने की कोशिशें चल रही हैं। व्यापार, यात्रा और संवाद फिर से शुरू हो चुके

हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा चालू है और डेपसांग और डेमचोक में गश्त की जानकारी भी सामने आई है। राजनाथ सिंह की मुलाकात चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से द्विपक्षीय वार्ता के तौर पर भी होगी।

शुभांशु को अंतरिक्ष ले जाने वाला मिशन पांचवी बार टला

नई दिल्ली। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन यानी आईएसएस ले जाने वाला एक्सियम-4 मिशन पांचवी बार टाल दिया गया है। इसे 22 जून को लॉन्च किया जाना था, लेकिन ड्रैगन की सुरक्षा जांच के चलते इसे स्थगित कर दिया गया। इससे पहले इस मिशन को 11 जून को भारतीय समय अनुसार शाम 5.30 बजे लॉन्च किया जाना था। हालांकि, प्रोपल्शन बे में ऑक्सीजन लीक के कारण इसे टाल दिया गया था। एक्सियम मिशन 4 (ए×-4) में चार देशों के

चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।नासा ने बताया कि आईएसएस के सर्विस मॉड्यूल के पिछले हिस्से में हाल ही में हुए मरम्मत कार्य की समीक्षा और सुरक्षा जांच के लिए और समय चाहिए। स्पेस स्टेशन की कई प्रणालियां आपस में जुड़ी हुई हैं, इस वजह से नई टीम के लिए सभी तकनीकी सिस्टम पूरी तरह तैयार रहना जरूरी है।

पश्चिम बंगाल से झारखंड आ रही बोलेरो की ट्रेलर से टक्कर, सरायकेला के 9 लोगों की मौत

कोलकाता (एजेंसी)। सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल अंतर्गत नीमडीह थाना क्षेत्र से सटे पश्चिम बंगाल के बलरामपुर थाना क्षेत्र के नामशॉल में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बोलेरो सवार 9 लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक तिलाईटांड़ गांव (नीमडीह) से एक बारात में शामिल होकर लौट रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिंद्रा बोलेरो में सवार बाराती जैसे ही चांडिल-पुरुलिया नेशनल हाईवे पर नामशॉल पहुंचे, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने बोलेरो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही बलरामपुर पुलिस, चांडिल पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे में मरने वालों में 8 लोग नीमडीह थाना के लाकड़ी गांव के हैं, जबकि एक व्यक्ति रघुनाथपुर गांव का था। शवों को कड़ी मशक्कत के बाद वाहन से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

शाह के दौरे से पहले 8 लाख की इनामी-नक्सली ढेर

कांकेर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे से पहले जवानों ने मुठभेड़ में 8 लाख की इनामी महिला नक्सली को मार गिराया है। जवानों ने मौके से महिला नक्सली का शव और राइफल समेत कई हथियार बरामद किया है। मामला छोटेबेटिया थाना क्षेत्र के आमाटोला इलाके का है। मिली जानकारी के मुताबिक जवानों को सूचना मिली थी कि आमाटोला और कलपर इलाके में 15-20 नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद डीआरजी और बीएसएफ की संयुक्त टीम को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। इसी दौरान नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। पुलिस अधीक्षक आइके एलिसेला ने बताया कि आमाटोला-कलपर मुठभेड़ में मारी गई महिला नक्सली की पहचान कैडर शांति देवे के रूप में हुई है, जो बीजापुर जिले के गुंडेम की रहने वाली थी। शांति पहले गरियाबंद क्षेत्र की गोबरा एरिया कमेटी में सक्रिय थी इसके बाद में वह उत्तर बस्तर डिवीजन में सक्रिय हो गई। पीएलजीए कंपनी नंबर 05 और कंपनी नंबर 07 से जुड़ी रही। प्रतिबंधित सीपीआई माओवादी संगठन की सक्रिय सदस्य होने के कारण सरकार ने 8 लाख का इनाम घोषित किया था।

एसपी ने बताया कि आमाटोला इलाके में नक्सलियों का एक छोटा दल सक्रिय है, जो सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने, निर्माण कार्यों को रुकवाने और तेंदू पत्ता खरीदी को प्रभावित करने के उद्देश्य से पहुंचे थे।

रेपिस्ट को फांसी की सजा बदलकर 25 साल कारावास दिया

जबलपुर/खंडवा। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 4 साल की बच्ची के साथ रेप के दोषी को राहत दी है। हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने उसकी फांसी की सजा को 25 साल की सजा में बदल दिया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस देवनारायण मिश्रा की डिवीजन बेंच ने कहा, दोषी निरक्षर और आदिवासी है। बचपन में उसे अच्छी शिक्षा नहीं मिली, जिसके चलते उसने यह अपराध किया था। मामला खंडवा जिले में 30 और 31 अक्टूबर 2022 की दरमियानी रात का है। 4 साल की बच्ची अपने घर में सो रही थी।

इसी दौरान परिजन उठे तो वह बिस्तर पर नहीं दिखी। तलाश करने पर बच्ची घर के पास बने आम के बगीचे में मरणासन्न हालत में मिली। खंडवा में प्राथमिक उपचार के बाद उसे इंदौर रेफर किया गया था। पुलिस ने आरोपी राजकुमार को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, एक किसान घायल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों और अज्ञात हमलावरों के बीच हुए एनकाउंटर में एक बुजुर्ग कुकी महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महिला क्रॉस फायर की चपेट में आ गई। घटना उस समय हुई जब सुरक्षा बलों ने एक सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। यह ऑपरेशन उस वक्त शुरू किया गया, जब बिष्णुपुर जिले में खेतों में काम कर रहे एक मैतई किसान को गोली

लगी। बताया गया कि गोली आसपास की पहाड़ियों से चलाई गई थीं। दरअसल, मैतेई नेता अशेम कनन सिंह की 7 जून को को गिरफ्तारी के बाद राज्य में हिंसा भड़क गई थी। इंफाल के कई इलाकों में गाड़ियां जला दी गईं, सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर भी जलाए थे। पुलिस से झड़प के अलावा प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल डालकर खुद को जलाने की भी कोशिश की थी। अशेम को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

वह मणिपुर पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल था। आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की वजह से मार्च में उसे सस्पेंड कर दिया गया था। वह अरम्बई टेंगोल का सदस्य था और पुलिस में रहते बॉर्डर पार हथियारों की तस्करी करता था।

भारत में विमानों की सुरक्षा के लिए बजट बहुत कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे के बाद संसदीय समिति की तरफ से पेश की गई एक रिपोर्ट चर्चा में आ गई है। मार्च में राज्यसभा में पेश की गई इस रिपोर्ट में बताया गया था कि विमान हादसों की जांच और एविएशन सुरक्षा के लिए फंडिंग में गड़बडियां हैं। इंडिया टुडे के मुताबिक, टूरिज्म, ट्रांसपोर्ट और कल्चर मिनिस्ट्री की संसदीय स्थायी कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट है, लेकिन सिक्योरिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और विमान हादसों की जांच के लिए सिर्फ 35 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया गया है, जो काफी नहीं है। इस रिपोर्ट में कहा गया कि डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन , एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी को जो बजट मिल रहा है

एसीबी के सामने पेश हुए मनीष सिसोदिया, रेखा गुप्ता का केजरीवाल पर बड़ा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया शुक्रवार को एंटी करप्शन ब्यूरो के सामने पेश हुए। यह पूछताछ दिल्ली सरकार के स्कूलों में हुए क्लासरूम निर्माण घोटाले को लेकर हो रही है, जिसमें लगभग 2,000 करोड़ रुपये की कथित अनियमितताओं का आरोप है।एसीबी ने इस मामले में 30 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की थी। जांच के अनुसार, दिल्ली सरकार ने 12,000 से अधिक क्लासरूम्स और अर्ध-स्थायी ढांचों के निर्माण में बड़ी वित्तीय अनियमितताएं की हैं। इस केस में मनीष सिसोदिया और आप नेता सत्येंद्र जैन को भी नोटिस भेजा गया था।

सत्येंद्र जैन 6 जून को पहले ही पेश हो चुके हैं। भाजपा हमारे शिक्षा सुधारों से परेशान है और झूठे मामलों में फंसाकर बदनाम करने की कोशिश कर रही है। सिसोदिया का कहना है कि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में 'आप' के लगभग हर बड़े नेता की जांच करवाई, लेकिन किसी के खिलाफ सबूत नहीं मिले। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सिसोदिया की पेशी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'आप' नेताओं को अब अपने

कर्मों का फल भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा, अब कोई भाग नहीं सकता। केजरीवाल को भी पंजाब से लौटकर जवाब देना होगा। दिल्ली की जनता ईमानदार नेतृत्व चाहती है। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने भी सिसोदिया पर निशाना साधते हुए कहा, मनीष सिसोदिया ने शिक्षा के नाम पर करोड़ों का घोटाला किया। अब सच्चाई सामने आ रही है। सिसोदिया ने यह भी बताया कि इस पूरे मामले की शुरुआत भाजपा सांसद मनोज तिवारी के आरोपों से हुई। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने तिवारी पर मानहानि का केस किया है और भाजपा ध्यान भटकाने की रणनीति अपना रही है।

राहुल गांधी बोले- अंग्रेजी शर्म नहीं शक्ति है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सशक्तीकरण करती है। यह शर्मनाक नहीं है और इसे हर बच्चे को सिखाया जाना चाहिए। राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि गरीब बच्चे यह भाषा सीखें, क्योंकि वे नहीं चाहते कि वे सवाल पूछें और समानता हासिल करें। राहुल का यह पोस्ट अमित शाह की उस टिप्पणी के बाद आया, जिसमें शाह ने कहा था कि इस देश में जो लोग अंग्रेजी बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म आएगी। अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं, जंजीरें तोड़ने का औजार है। भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेज़ी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि आप सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें। आज की दुनिया में, अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी आपकी मातृभाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी, आत्मविश्वास बढ़ाएगी। भारत की हर भाषा में आत्मा

है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है, और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है। यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का मौका दे। शाह ने हिंदी समेत भारतीय भाषाओं के भविष्य पर कहा, अपना देश, अपनी संस्कृति, अपना इतिहास और अपने धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती। अधूरी विदेशी भाषाओं के जरिए संपूर्ण भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। मैं अच्छी तरह जानता हूं, यह लड़ाई कितनी कठिन है। लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय समाज इसे जीतेगा। एक बार फिर स्वाभिमान के साथ हम अपने देश को अपनी भाषाओं में चलाएंगे और दुनिया का नेतृत्व भी करेंगे।भाषा पर छिड़ी बहस के बीच, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने शुक्रवार को कहा कि भारत में 22 संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त भाषाएं और 19,500 भाषाएं और बोलियां हैं और यही हमारे देश की विविधता में एकता है। 97त्न लोग मान्यता प्राप्त भाषाओं में से किसी एक को अपनी मातृभाषा के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अमित शाह, पीएम नरेंद्र मोदी और उनका गिरोह इसे कभी नहीं समझ पाएगा। संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध 22 भाषाएं असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू हैं।

1950 में जब संविधान को अपनाया गया था, अनुच्छेद 343 में घोषणा की गई थी कि हिंदी आधिकारिक भाषा होगी और अंग्रेजी 15 साल से ज्यादा समय के लिए एक अतिरिक्त आधिकारिक भाषा के रूप में काम करेगी।राजभाषा अधिनियम, 1963 में हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी को भी आधिकारिक भाषा के रूप में जारी रखने का प्रावधान किया गया। यह 26 जनवरी 1965 को लागू हुआ। इसमें कहा गया है कि संघ के सभी आधिकारिक उद्देश्यों और संसद में कामकाज के लिए अंग्रेजी का इस्तेमाल जारी रहना चाहिए।अधिनियम में यह भी कहा गया है कि संघ और ऐसे राज्य के बीच संचार के लिए अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसने हिंदी को अपनी आधिकारिक भाषा के रूप में नहीं अपनाया है।

वैभव के बल्लेबाजी कौशल को देखकर हैरान हैं बटलर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने 14 साल के उभरे हुए भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। बटलर ने कहा कि इतनी कम उम्र में वैभव जिस प्रकार से बल्लेबाजी करते हैं उसे देखकर मुझे हैरानी होती है। बटलर ने कहा कि जिस प्रकार वैभव ने आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 206 के स्ट्राइक रेट से केवल सात पारियों में 252 रन बनाए वह आसान काम नहीं है। इस दौरान इस बल्लेबाज ने 35 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। वैभव आईपीएल में जहां राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे थे। वहीं बटलर गुजरात टाइटंस टम में शामिल थे। बटलर ने स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ बातचीत के दौरान कहा, हमारे खिलाफ 35 गेंदों में शतक वाली वैभव की पारी बहुत ही शानदार थी जबकि हमारी यहां मोहम्मद सिराज, , प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खान जैसा स्पिनर था पर इसके बाद भी वैभव ने लंबे छक्के लगाए। उन्होंने इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ भी एक आक्रामक जबकि सीएसके में आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी स्पिनर हैं। वैभव की बल्लेबाजी का सबसे सकारात्मक पक्ष ये है कि वह निडर होकर खेलता है और ये नहीं देखता कि कौन सा गेंदबाज सामने है।

इंग्लैंड के खिलाफ बुमराह सहित तेज गेंदबाजों को निभानी होगी अहम जिम्मेदारी

मुम्बई (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में शुरुवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों को निर्णायक भूमिका निभानी होगी। इसका कारण ये है कि इंग्लैंड की उछाल भारी पिचों पर तेज गेंदबाज प्रभावी साबित होते रहे हैं। = पिछले कुछ साल भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन में तेज गेंदबाज की अहम भूमिका रहे । ऐसे में इंग्लैंड में साल 2007 के बाद जीत हासिल करना चाह रही भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह सहित सभी अन्य गेंदबाजों को 20 विकेट लेने होंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टीम की बल्लेबाजी में अनुभव की कमी है। ऐसे में इस कमी को गेंदबाज ही पूरी कर सकते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से लीड्स में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत होगी जिसमें बुमराह के अलावा मो सिराह , प्रसिद्ध कृष्णा , अर्शदीप सिंह सिंह पर गेंदबाजी की जिम्मेदारी होगी। बुमराह को इसमें आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। बुमराह की गेंदबाजी क्षमता और अनुभव को देखते हुए उनसे टीम को बहुत उम्मीदें हैं। अपनी गति और दिशा को बदलकर वह बल्लेबाजों को हैरान करने में माहिर हैं। बुमराह नई गेंद से विकेट लेने और विपक्षी टीम पर दबाव बनाने का तरीका भी जानते है। हालांकि बुमराह सभी 5 टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे लेकिन उन्की मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलेगी।

श्रेयस होते तो भारतीय टीम के लिए बदलाव का सामना करना आसान होता-नाइट

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज निक नाइट ने भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें टीम में रखा जाना चाहिये था। नाइट के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के नहीं होने से बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम को श्रेयस के रहने से लाभ होता। नाइट के अनुसार श्रेयस एक अच्छे बल्लेबाज जो जो मध्यक्रम को संभाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरे में भारतीय टीम ने चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को शामिल कर टीम किया है। वह टीम के लिए एक्स फैक्टर साबित होंगे। अय्यर के टीम का हिस्सा नहीं होने के कारण नाइट को कुलदीप और युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। सुदर्शन के लीड्स में पहले टेस्ट में डेब्यू करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज लोकेश राहुल को इस दौरे में अहम जिम्मेदारी संभानली होगी। उनके ऊपर एक प्रकार से बल्लेबाजी टिकी होगी। उनके अलावा एक दो खिलाड़ियों को छोड़ दें तो अन्य सभी बल्लेबाज नये हैं और उनके पास अनुभव नहीं है। ऐसे में शीर्ष क्रम को बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी जिससे कि मध्यक्रम पर दबाव न आये। साथ ही कहा कि अगर भारतीय टीम को ये सीरीज जीतनी है तो उसके गेंदबाजों को 20 विकेट लेने होंगे। भारतीय टीम साल 2007 के बाद यहां एक भी सीरीज नहीं जीती है।

हरभजन, रैना सहित चार पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में भाग लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और सुरेश रैना सहित चार पूर्व भारतीय क्रिकेटर 5 से 16 अगस्त तक होने वाले सुपर60 यूएसए लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलते नजर आयेंगे। इस टूर्नामेंट में हरभजन और रैना के अलावा शिखर धवन व रॉबिन उथप्पा भी खेलेंगे। इन सभी पूर्व क्रिकेटरों ने कहा कि इस टूर्नामेंट में खेलने का अवसर मिलने से वह उत्साहित हैं।

हरभजन ने कहा, मैं सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। यह एक अनूठा और विशिष्ट प्रारूप है जो खेल में नयापन लाने का वादा करता है। अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों की भागीदारी के साथ, यह टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाएगा। लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। वहीं रैना ने कहा, मैं सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं, जो विश्व स्तरीय प्रतिभाओं को एक साथ लाता है। इस तरह का टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट के विकास में अहम भूमिका निभाएगा और मुझे इसका हिस्सा होने पर गर्व है। धवन ने कहा, सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में शामिल होना बढ़ते क्रिकेट

समुदाय में प्रशंसकों से जुड़ने का एक अच्छा अवसर है। अंतरराष्ट्रीय सितारों और एक नए आकर्षक प्रारूप के साथ इस आयोजन से अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा में लाने की राह बनेगी। उथप्पा ने कहा, सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट प्रतिस्पर्धा और नवाचार दोनों के मामले में एक बेहतरीन मंच है। इसका अनूठा प्रारूप खेल में एक नया आकर्षण लाता है और नए प्रशंसकों को आकर्षित करने की बहुत संभावना है।

ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर से प्रेरित हैं सुदर्शन

लंदन । युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा है कि वह ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर से प्रेरित हैं। सुंदर को देखकर ही उन्हें आगे बढ़ने और भारतीय टीम में जगह बनाने की प्रेरणा मिली। सुदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में अपना डेब्यू कर सकते हैं जिसको लेकर वह उत्साहित हैं। वहीं सुंदर ने अब तक तीन एकदिवसीय और एक टी20आई में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका में दो एकदिवसीय अर्धशतक शामिल हैं। सुदर्शन ने घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाये जिसके बाद ही उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में जगह मिली। आईपीएल में सुदर्शन ने 16 पारियों में एक शतक और छह अर्धशतकों के साथ 759 रन बनाए। उनकी बेहतर बल्लेबाजी तकनीक से चयनकर्ता प्रभवित दिखे। सुदर्शन घरेलू क्रिकेट में सुंदर से जूनियर हैं क्योंकि सुंदर तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं, वहीं सुदर्शन उनके जूनियर हैं।

टेस्ट सीरीज का हो गया आधिकारिक नामकरण, ट्रॉफी के साथ दिखे सचिन और एंडरनसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का अनावरण हो गया है। भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और इंग्लैंड के दिग्गज जेम्स एंडरसन ने इस ट्रॉफी का अनावरण किया। साथ ही बता दें कि, अब इस सीरीज का नाम पटौदी ट्रॉफी नहीं बल्कि तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी रखा गया है। वहीं पटौदी ट्रॉफी का नाम बीसीसीआई ने नहीं ईसीबी ने बदला है।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जाने वाली ये टेस्ट सीरीज को अब से हम एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कहा जाएगा। इसके अलावा इस बात की भी आधिकारिक पुष्टि हो गई है कि पटौदी परिवार की शान में इस ट्रॉफी को जीतने वाले कप्तान को पटौदी पदक दिया जाएगा।

एंडरसन- तेंदुलकर ट्रॉफी, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड औरबीसीसीआई के बीच एक संयुक्त पहल है जो अब इंग्लैंड और भारत के बीच होने वाले सभी भविष्य की टेस्ट सीरीज का प्रतिनिधित्व करेगी। इससे पहले इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज पटौदी ट्रॉफी और भारत में टेस्ट सीरीज एंथनी डी मेलो ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। हालांकि, अब दोनों ही देशों में सीरीज एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी होगी।

इस दिग्गज ने क्रिकेट को कहा अलविदा, करियर में 119 मैचों में बनाए 8 हजार से ज्यादा रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट के लिए साल 2025 काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा। इस साल कई इंटरनेशनल क्रिकेट के दिग्गजों ने टेस्ट को अलविदा कह दिया। भारतीय क्रिकेट के स्टार खिलाड़ी रोहित शर्मा, विराट कोहली ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा। वहीं अब इस कड़ी में श्रीलंका के दिग्गज बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज का नाम भी जुड़ गया है। श्रीलंका की टीम का बांग्लादेश के साथ कोलंबो में टेस्ट मैच चल रहा है। एंजेलो मैथ्यूज आज अपने ही देश की धरती पर आखिरी टेस्ट मैच खेल रहे हैं। श्रीलंका के दिग्गज बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज जब बांग्लादेश बनाम श्रीलंका मैच के तीसरे दिन बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे तो उस दौरान बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने मैथ्यूज को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ मैदान पर उनका स्वागत किया। बांग्लादेश के प्लेयर्स दो लाइन बनाकर खड़े हुए, जिसके बीच से एंजेलो मैथ्यूज गुजरे और खिलाड़ियों ने मैदान पर उनका ताली बजाकर स्वागत किया। एंजेलो मैथ्यूज ने अपने आखिरी मैच में 69 गेंदों में 56.52 के स्ट्राइक रेट से 39 रन बनाए। टेस्ट करियर की अपनी इस आखिरी पारी में मैथ्यूज ने तीन चौके और एक छक्का लगाया। मैथ्यूज बेहतर बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन इस मैच में श्रीलंका के स्टार खिलाड़ी अर्धशतक बनाने से चूक गए। मैच की परिस्थिति के मुताबिक ये पारी मैथ्यूज के टेस्ट करियर की आखिरी पारी हो सकती है। एंजेलो मैथ्यूज अपना 119वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं। अपने टेस्ट करियर में मैथ्यूज ने 8,206 रन बना लिए हैं। मैथ्यूज का हाईएस्ट स्कोर नाबाद 200 रन है। मैथ्यूज की टेस्ट में औसत 45 के करीब है।

अनाया बांगर ने आईसीसी, बीसीसीआई से की ये बड़ी मांग, दिखाई साइंटिफिक रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगक की संतान जो कुछ समय पहले ही लड़का से लड़की बनी अनाया बांगर ने आईसीसी और बीसीसीआई से ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों का समर्थन करने की अपील की है। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि वैज्ञानिक रूप से वह महिला क्रिकेट खेलने के योग्य हैं। बता दें कि, अनाया बांगर का पूर्व नाम आर्यन बांगर था जिन्होंने हार्मोन रिप्लेसमेंट थिरेपी से गुजरकर लड़का से लड़की बन चुकी हैं।

अभी ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों को महिला क्रिकेट में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं है। अनाया बांगर ने 8 पेज की साइंटिफिक रिपोर्ट को शेयर करते हुए ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला क्रिकेट में खेलने की पुरजोर वकालत की है। एक तरह से उन्होंने ये बहस छेड़ने की कोशिश की है कि क्या ट्रांसजेंडर्स को महिला क्रिकेट खेलने के योग्य माना जा सकता है।

अनाया बांगर ने एक लड़के से ट्रांसजेंडर एथलीट बनने की अपनी यात्रा से जुड़ी 8 पेज की वैज्ञानिक रिपोर्ट को आईसीसी और बीसीसीआई के सामने रखने की योजना बना रही हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि साइंस कहता है मैं विमेंस क्रिकेट के लिए एलिजिबल हूं। अब सवाल ये है कि क्या दुनिया तैयार है सच सुनने के लिए? उनका पोस्ट वायरल हो रहा है।

डब्लयूटीसी फाइनल की हार के लिए हेजलवुड हैं दोषी-जॉनसन

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मिचेल जॉनसन ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को मिली हार के लिए तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड को दोषी करार दिया है। जॉनसन के अनुसार हेजलवुड ने खराब फिटनेस के बाद भी डब्लयूटीसी फाइनल के ठीक पहले आईपीएल खेला था जिससे फाइनल के लिए वह ठीक से तैयारी नहीं कर पाये। जॉनसन ने कहा कि हेजलवुड ने पैसे के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम की जगह आईपीएल टीम आरसीबी को अधिक प्राथमिकता दी। वह प्लेऑफ के लिए ही ऑस्ट्रेलिया से वापस भारत गये थे। आरसीबी ने प्लेऑफ के क्वालिफायर-1 में पंजाब किंग्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई और फिर फाइनल में इसी टीम को हराकर अपना पहला आईपीएल खिताब जीता। इस दौरान हेजलवुड टीम के लिए विकेट लेने वाले मुख्य गेंदबाज साबित हुए। भारत और

पाकिस्तान के बीच संघर्ष के कारण आईपीएल 2025 बीच में स्थगित कर दिया गया था। जिसके बाद 17 मई से इसकी फिर से शुरूआत हुई। ऐसे में अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के अधिकतर खिलाड़ी डब्लयूटीसी फाइनल के कारण भारत वापसी नहीं लौटे पर हेजलवुड भारत लौट गये।

जॉनसन ने कहा कि, हेजलवुड पिछले कुछ समय से फिटनेस की समस्याओं से संघर्ष कर रहे थे जो आईपीएल के कारण और बढ़ गयीं। ऐसे हालातों में उन्हें राष्ट्रीय टीम के साथ रहना था पर उन्होंने ऐसा नहीं किया।हेजलवुड ने फाइनल में पहली पारी में 15 ओवर किये और उन्हें केवल एक विकेट मिला। इस पारी में कमिंस ने 6 विकेट लिए थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में भी उन्हें एक ही विकेट मिला, वो भी तब मिला जब मैच हाथ से निकल गया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब भविष्य को देखते हुए हेजलवुड, मिशेल स्टार्क, हेजलवुड, पैट कमिंस और नाथन लियोन के विकल्प देखने होंगे क्योंकि ये खिलाड़ी एशेज के बाद संन्यास ले सकते हैं, ऐसे में इनके भरोसे रहना टीम के लिए सही नहीं है।

बीबीसीआई को बॉम्बे हाईकोर्ट से लगा तगड़ा झटका, इस टीम को देने होंगे 538 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई को कोच्चि टस्कर्स केस में बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने बीसीसीआई की याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कोच्चि टस्कर्स के मालिकों के पक्ष में 538 करोड़ रुपये के आर्बिट्रल अवॉर्ड को सही करार दिया। बीसीसीआई ने कोच्चि टस्कर्स टीम को साल 2011 में आईपीएल से बाहर कर दिया था। उसके बाद कोच्चि टीम ने बीसीसीआई के खिलाफ आर्बिट्रेशन केस किया था। फ्रेंचाइजी सिर्फ एक आईपीएल सीजन में खेली और अंक तालिका में आठवें स्थान पर थी। जज आरआई चागला ने बीसीसीआई और कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड और अन्य मामले में कहा कि अदालत मध्यस्थ के निष्कर्षों पर अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि मध्यस्थता अधिनियम की

धारा 34 के तहत इस न्यायालय का अधिकार क्षेत्र बहुत सीमित है। विवाद के गुण-दोषों की गहराई से जांच करने का बीसीसीआई का प्रयास अधिनियम की धारा 34 में निहित आधारों के दायरे की विपरीत है। साक्ष्य और/या गुण-दोषों के संबंध में दिए गए निष्कर्षों के बारे में बीसीसीआई का असंतोष अवॉर्ड को चुनौती देने का आधार नहीं हो सकता। कोच्चि टस्कर्स फ्रेंचाइजी को रेंडेजवस स्पोर्ट्स वर्ल्ड ने लिया था। बाद में फ्रेंचाइजी को कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया गया। बीसीसीआई ने सितंबर 2011 में फ्रेंचाइजी समझौते के उल्लंघन का हवाला देकर कोच्चि टस्कर्स को समाप्त कर दिया। बीसीसीआई ने कहा कि फ्रेंचाइजी बैंक गारंटी देने में विफल रही थी। वहीं, केसीपीएल ने कहा कि देरी अनसुलझे मुद्दों के कारण हुई, जिसमें स्टेडियम की अनुपलब्धता, शेयरहोल्डिंग पर विनियामक अनुमोदन और आईपीएल मैच की संख्या में कमी शामिल थी। देरी के बीच बीसीसीआई और केसीपीएल कई महीनों तक संपर्क में रहे थे। बोर्ड ने कई भुगतान भी स्वीकार किए। लेकिन अचानक बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी को समाप्त कर दिया और आरएसडब्ल्यू द्वारा जारी की गई पूर्व गारंटी को भी भुना लिया।

केसीपीएल और आरएसडब्लू ने 2012 में मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की और ट्रिब्यूनल ने 2015 में उनके पक्ष में फैसला सुनाया। केसीपीएल को 384 करोड़ रुपये और आरएसडब्लू को 153 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया गया था। इसके साथ ही ब्याज और लीगल कॉस्ट भी देने का जिक्र था।

अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कारवाई, कई दुकानें की गईं जमींदोज

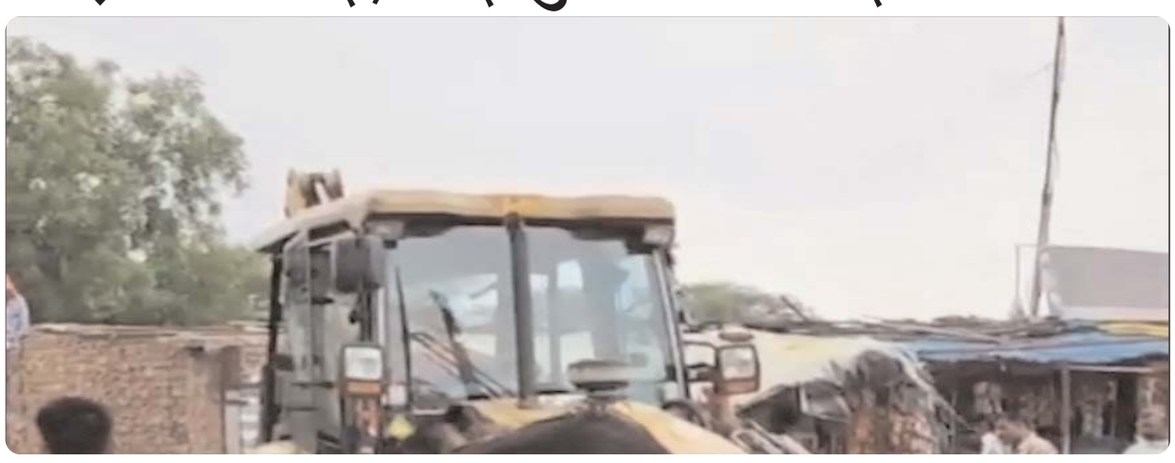

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में आज एक बार फिर जिला प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कारवाई करते हुए करीब 25 दुकानों को जमींदोज कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध भी किया, इस दौरान एक महिला जेसीबी के सामने आकर खड़ी हो गई। लेकिन विरोध के बीच पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त रूप से कारवाई करते हुए सड़क की पटरी को अतिक्रमण मुक्त करा दिया। दरअसल यह कारवाई शहर के करहिया के समीप ग्राम पंचायत क्षेत्र में की गई। बतादें कि ग्राम पंचायत की ओर से शिकायत की गई थी कि सड़क की पटरी पर कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण कर दुकानें बनाई गई हैं और इस अतिक्रमण से ना सिर्फ आवागमन बाधित होता है बल्कि भविष्य में कोई भी बड़ी घटना हो सकती है। मामले को प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर उन्हें 3 महीने तक का समय दिया, इस दौरान अतिक्रमणकारियों ने खुद से अतिक्रमण नहीं हटाया तो जिला प्रशासन और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

किसानों का फूटा आक्रोश, 6 महीने बाद भी नहीं हुआ धान का भुगतान

करहिया मंडी में चक्काजाम कर जिला प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जाहिर किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर की करहिया मंडी में किसानों ने चक्काजाम कर जिला प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जाहिर किया। किसानों का आरोप है कि धान का सीजन खत्म होने के बाद दूसरा सीजन शुरू हो गया है, लेकिन अभी तक कई किसानों की धान खरीदी का भुगतान नहीं किया गया है। उनका कहना है कि शिकायतों के बाद उन्हें सिर्फ जांच का आश्वासन दिया जा रहा है। जिससे किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। आक्रोशित किसानों ने आज सुबह से ही करहिया मंडी के मुख्य द्वार पर बैठकर आंदोलन प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। भारतीय किसान यूनियन टिकैत की अगुवाई में किसान एवं किसान यूनियन के सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा चक्का जाम किया गया। किसानों का कहना है कि यदि भुगतान नहीं होता है तो आत्महत्या करने पर मजबूर हो जायेंगे।

लोन कंपनी की मानसिक प्रताड़ना से डरी 15 साल की मासूम फांसी के फंदे पर झूली

परिवार के लोगों ने आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 15 साल के किशोरी का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिवार के लोगों ने लोन कंपनी की धमकियों से परेशान होकर सुसाइड करने का आरोप लगाया। कहा कि लोन कंपनी के लोग रुपए मांगने घर आए, परिवार ने पैसे वापस करने समय भी मांगा। इसके बाद भी कंपनी ने उनकी नहीं सुनी, बल्कि घर का सामान उठा ले जाने की बात तक कही। जिसके बाद डरकर बच्ची ने सुसाइड कर लिया। मासूम की मौत के बाद उन्होंने इसकी थाने में शिकायत की है। परिवार के लोगों ने आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। स्थानीय लोगों ने भी एक्शन लेने की बात की। इस मामले किशोरी की मौत 17 जून को हुई थी। परिजनों ने 19 को निजी कंपनी पर कार्यवाही के लिए शिकायती आवेदन दिया। शुक्रवार को थाने पहुंचकर पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की।

दो जगहों से लिया था लोन: श्याम लाल कोल ने बताया कि मैं करिया थाना सिरमौर का निवासी हूं। मेरे बेटे ने एक प्राइवेट कम्पनी से 60,000 रुपए छः महीने पहले और दूसरी से 50,000 रुपए चार महीने पहले लोन लिया था।

आरोप- कंपनी कर्मचारियों ने धमकाया: पहली कंपनी का एजेंट 17 जून को लगभग 10 बजे सुबह मेरे घर आया। उक्त समय मैं घर में खाना खा रहा था। तो उन्होंने मेरी नातिन अंकिता कोल को धमकाया। उसने मेरी 15 वर्षीय नातिन से कहा कि अगर आज किस्त नहीं दी तो मैं तुम्हारे घर में रखी मोटरसाइकिल और अन्य समान घर से उठा ले जाऊंगा। इसके साथ ही देख लेने की धमकियां भी दीं। कुछ समय बाद दूसरी कंपनी का एक अन्य एजेंट आया और बोला कि लोन का पैसा आज मिल जाना चाहिए, नहीं तो तुम्हारे पापा और तुम्हारे पूरे परिवार को जेल भिजवा दूंगा। मेरी नातिन मानसिक रूप से प्रताड़ित हुई और सहमी रह गई कि मेरे पापा, मेरे बाबा और मेरे परिवार के सभी लोगों को पुलिस ले जाएगी। उसने यह भी सोचा कि मेरे घर में रखा पूरा समान कम्पनी के द्वारा उठा लिया जाएगा तो आखिरकार हम कहां रहेंगे और क्या करेंगे। इसी बात को उसने अपने दिमाग में बैठा लिया और डर की वजह से कमरे के अंदर जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

बताया कि घटना की वजह से दो दिन तो हम सदमे में रहे। घटना वाले दिन भी पुलिस पहुंची थी। थाने वालों ने कहा कि लिखित शिकायत करोगे। तभी कार्यवाही होगी। इसलिए हमने 19 जून की रात पूरे मामले की लिखित शिकायत थाने में दर्ज कराई है और एक बार फिर शुक्रवार को थाने पहुंचकर मामले में कार्यवाही की मांग रहे हैं।

स्थानीय निवासी बोले कार्रवाई हो: स्थानीय निवासी विष्णु कांत कुशवाहा ने कहा कि पहले तो भोले-भाले मासूमों और ग्रामीणों को प्रलोभन देकर इस लोन के दलदल में फंसाया जाता है। फिर उन पर पर अनावश्यक मानसिक दबाव डालकर आत्महत्या के लिए मजबूर किया जाता है। अगर जल्द इन पर शिकंजा न कसते हुए वैधानिक कार्रवाई नहीं की गई तो आगे इस तरह की और घटनाएं न हो इसलिए कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

एसडीओपी उमेश प्रजापति ने बताया कि 15 साल की किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। परिजनों ने थाने में शिकायती आवेदन देकर कार्यवाही की मांग की है। निजी कंपनी के एजेंटों पर पैसे के लिए मानसिक प्रताड़ना और धमकाने का आरोप लगाया है।

केक खाने से बच्चा बीमार होने पर खाद्य विभाग ने बेकरी पर दी दबिश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अमहिया थाना क्षेत्र स्थित एक बेकरी पर शुक्रवार को खाद्य विभाग की टीम ने छापा मारा। यह कार्रवाई एक ग्राहक की शिकायत पर की गई। उसने बेकरी से खरीदे गए केक में बदबू की शिकायत की थी। ग्राहक ने बताया कि केक खाने के बाद उसके बेटे की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उसे उल्टियां होने लगीं। सूचना मिलते ही खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बेकरी की रसोई की जांच की। टीम के मुताबिक जांच के दौरान वहां साफ-सफाई का घोर अभाव पाया गया। किचन में चारों ओर गंदगी फैली थी, जिससे खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

खाद्य अधिकारी अमरीश दुबे ने बताया कि टीम ने बेकरी से केक और अन्य खाद्य सामग्री के सैंपल जब्त किए हैं, जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद बेकरी संचालक पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ग्राहक की शिकायत गंभीर थी। मौके पर पहुंचने पर साफ-सफाई की भारी कमी मिली। सैंपल जांच में फेल होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गंदगी का अंबार पाया गया है। दीवारें तक काली पड़ चुकी थीं।

इस घटना ने एक बार फिर रीवा शहर की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे खाद्य पदार्थ खरीदते समय गुणवत्ता को लेकर सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर तुरंत शिकायत करें।

रीवा में आम की मार्केटिंग के लिए शुरू की गई मैगों वैन

रीवा . संभाग में आम की बड़े पैमाने पर खेती की जाती है। [ड्डस्रस्र] सभी जिलों में स्थानीय देशी किस्म के साथ-साथ उन्नत किस्म के आमों की पैदावार होती है। रीवा के सुंदरजा आम को अपने विशिष्ट गुणों के लिए 2023 में जीआई टैग मिला है। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड ने रीवा में कृषि महाविद्यालय परिसर में आम महोत्सव का आयोजन किया। इस पांच दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. त्रिपाठी ने किया। डीन ने उन्नति किस्म के आमों के विपणन के लिए मैगों वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। नाबार्ड द्वारा समर्थित एक एफपीओ गोफार्म फार्मर प्रोड्यूसर्स ऑर्गनाइजेशन इन पांच दिनों में आम की मार्केटिंग करेगा। यह किसानों से सुंदरजा आमों की खरीद करेगा और किसानों को बेहतर पारिश्रमिक दिलाने के प्रयास करेगा।

हाईवा ने बाइक सवार को कुचला, आक्रोशित परिजनों ने शव रखकर किया चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के चोरहटा थाना अंतर्गत ग्राम कचूर में हाईवा और बाइक की हुई सीधी भिड़ंत में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने हाईवा चालक पर लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए युवक केशव को सड़क पर रख कर आवागमन अवरुद्ध कर दिया। घटना शुक्रवार शाम की है। चक्का जाम करीब 1 घंटे तक रहा। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची। मौके पर समझाइश के बाद मौके पर मौजूद परिजन शव का पीएम करने के लिए तैयार हो गए। इसके बाद शव वाहन से शव को पीएम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेजा गया। जिसके बाद आवागमन बहाल हो सका।

चालक पर लापरवाही के आरोप: मामले के संबंध में जानकारी देते हुए मृतक के परिजन अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि मेरा भतीजा राकेश सिंह बाइक में सवार होकर रीवा की ओर जा रहा था। वह घर से निकलकर जैसे ही मेन सड़क पर पहुंचा। रीवा की ओर से तीव्र रफ्तार आ रहे हाईवा के चालक में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। जिसके चलते राकेश सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस पूरे मामले को लेकर चोरहटा थाना प्रभारी आशीष मिश्रा ने बताया कि राकेश सिंह नाम के युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हुई है। आक्रोशित परिजनों ने जाम लगाया था। उन्हें समझाइश दे दी गई है और परिजन शव का पीएम करने के लिए तैयार हो गए हैं। स्थिति नियंत्रण में है। दुर्घटना करने वाले हाईवा की जानकारी जुटाई जा रही है।

रीवा में बिजली विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों का आमरण अनशन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में बिजली विभाग से एक साल पहले ब्लैकलिस्ट कर निकाले गए आउटसोर्स कर्मचारियों की बहाली की मांग को लेकर 17 जून से कोठी कम्पाउंड में आमरण अनशन किया जा रहा है। विंध्य आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के बैनर तले प्रमोद चतुर्वेदी, उमेश साकेत और अनुजधर पाण्डेय सहित कई कर्मचारी तीन दिनों से अनशन पर डटे हैं। कर्मचारी प्रमोद चतुर्वेदी ने बताया कि विद्युत वितरण कंपनी ने 26 जून 2024 को आधा सैकड़ा से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों को ब्लैकलिस्ट कर बाहर कर दिया था। जिन आरोपों में उन्हें निकाला गया, वे जांच में साबित नहीं हुए। कर्मचारी फरवरी और मई 2025 में भी सत्याग्रह कर चुके हैं, लेकिन अधिकारियों से सिर्फ आश्वासन मिला। कर्मचारियों का कहना है कि शासन-प्रशासन और कंपनी के शीर्ष अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। गुरुवार को आंधी-पानी के बावजूद कर्मचारी अनशन पर डटे रहे और शुक्रवार को भी उनका प्रदर्शन जारी है।

रीवा के ज्वलंत मुद्दों को विधानसभा में उठाएगी कांग्रेस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के उपनेता एवं विधायक हेमंत कटारे ने शुक्रवार को रीवा में मीडिया से चर्चा करते हुए ज्वलंत मुद्रदों को लेकर आवाज उठाई। उन्होने कहा कि रीवा के संजय गांधी अस्तपताल में नाबलिग के साथ गैंगरेप की घटना हो या फिर परशुराम मंदिर गिराए जाने का मामला हो। ऐसे सभी मामलों में प्रशासन पूरी तरह से कमजोर साबित हुआ है। और शासन व सत्ता में बैठे लोग ऐसे मामलों को दबाने के लिए पूरी तरह से मुस्तैद है।

उन्होने कहा कि कांग्रेस पार्टी विधानसभा में रीवा के हर उस मुद्दे को पुररूजोर उठाएगी, जो कि रीवा के लिए विडंबना बन कर सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ बढ़ते बलात्कार के मामलों, रीवा को नशे की गिरफ्त में धकेलने की साजिश, फ़र्जी अनुकंपा नियुक्तियों के ज़रिए युवाओं के साथ हो रहे अन्याय और भगवान परशुराम मंदिर की उपेक्षा जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर रीवा की छवि ख़राब हो रही है। भगवान परशुराम मंदिर के प्रति भाजपा सरकार की उपेक्षा और उसमें की गई तोड़फोड़ रीवा की आस्था और सांस्कृतिक पहचान पर एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रहार है। पत्रकार वार्ता में विधायक अभय मिश्रा, मऊगंज जिलाध्यक्ष पद्मेश गौतम जी, ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, शहर जिलाध्यक्ष लखन खण्डेलाल एवं प्रवक्ता विनोद शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दिव्यांग भांजे की मामा ने लाठी से पीटकर की हत्या

सतना में मकान खाली कराने को लेकर चल रहा था विवाद, आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के जवाहर नगर कुम्हरान मोहल्ला में गुरुवार रात मकान खाली करने के विवाद में मामा ने अपने दिव्यांग भांजे की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मामा फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी हैं। जानकारी के अनुसार, भांजा रामबहोर बेलदार (45) पिछले करीब 5 वर्षों से अपने मामा रामलाल बेलदार के घर के एक कमरे में पत्नी के साथ रह रहा था। वह पैर से दिव्यांग था और मजदूरी कर गुजर-बसर करता था।

कमरा खाली कराने को लेकर चल रहा था विवाद: रामबहोर और आरोपी मामा के बीच पिछले तीन दिनों से कमरे को खाली कराने को लेकर विवाद चल रहा था। रामलाल लगातार दबाव बना रहा था, जबकि रामबहोर ने एक महीने का समय मांगा था। गुरुवार सुबह दोनों के बीच कहासुनी भी हुई थी। उस दौरान मामा ने परिजनों के सामने जान से मारने की धमकी दी थी।

दूसरे मामा के घर छिपने गया, लौटते ही हमला: धमकी से डरकर रामबहोर कुछ दूरी पर रहने वाले अपने दूसरे मामा के घर चला गया था। रात करीब 11.30 बजे जब वह अपने कमरे में लौटा, तो पहले से घात लगाए बैठे मामा रामलाल ने उस पर लाठी से हमला कर दिया।

अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत: गंभीर रूप से घायल रामबहोर को परिजन पहले सिटी कोतवाली और फिर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों के बयान के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सतना में दुकान से चोरी कर भाग रही महिला पकड़ाई

बैग में मिला बिना बिल का 4 हजार का ड्रेस, चोरी की वारदात रिकॉर्ड

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के बिहारी चौक के महावीर भवन में एक कपड़े की दुकान में चोरी की घटना सामने आई है। घटना गुरुवार रात करीब 8 से 8.30 बजे के बीच की है।

दुकान की संचालक सोनाली जैन ने बताया कि एक अज्ञात महिला, जिसने स्कार्फ से अपना चेहरा ढका हुआ था, ग्राहक बनकर दुकान में आई। महिला 15 मिनट तक कपड़े देखती रही। फिर उसने कहा कि उसे कुछ पसंद नहीं आया और वह बाहर जाने लगी।

महिला जैसे ही वह दुकान से बाहर निकली, आरएफआईडी एंटी-थेफ्ट सिस्टम का अलार्म बजने लगा। इस पर कर्मचारियों ने उसे रोका और उसके बैग की तलाशी ली। बैग से करीब 4 हजार रुपए की एक चुराई हुई ड्रेस मिली। इसके अलावा कुछ अन्य नए कपड़े भी बैग में थे, जिनके बिल नहीं थे।

कपड़े चुराते हुए सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई महिला: दुकान के सीसीटीवी कैमरे में महिला को भीड़ का फायदा उठाकर कपड़े चुराते हुए देखा गया। घटना के बाद वह स्कूटी से फरार हो गई। सोनाली जैन ने इस मामले की शिकायत सिटी कोतवाली थाने में दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार हाइवा सड़क किनारे घर में घुसा, चालक घायल

ग्रामीणों का आरोप- टोल बचाने के लिए ओवरलोड गाड़ी लेकर निकला ड्राइवर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के कृष्णगढ़ गांव में अमरपाटन रोड पर एक तेज रफ्तार हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित मकान में जा घुसा। घटना गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र में हुई। मकान लाला विश्वकर्मा का है। घटना के समय घर में कोई नहीं था। मकान को मामूली नुकसान पहुंचा है। हादसे में हाइवा चालक घायल हो गया, जिसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के बाद से मार्ग पर प्रिज्म सीमेंट फैक्ट्री जाने वाले हाइवा की कई किलोमीटर लंबी कतार लग गई है। ग्रामीणों के अनुसार, ये हाइवा रोजाना लाइम स्टोन लेकर फैक्ट्री जाते हैं। इस रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि लाइम स्टोन से ओवरलोड हाइवा टोल टैक्स बचाने के लिए ग्रामीण सड़क से दिन-रात गुजरते हैं। जबकि इन्हें सतना-रीवा मेन रोड से होकर प्रिज्म फैक्ट्री जाना चाहिए। पुलिस मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त हाइवा को सड़क किनारे करने में जुटी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।